

कार्यालय मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश

चतुर्थ तल विकास भवन, जनपथ मार्केट, हजरतगंज, लखनऊ-226001

संख्या: 735/सीईओ-8-36/2025

दिनांक: 22 सितम्बर, 2025

सेवा में,

समस्त जिला निर्वाचन अधिकारी,
उत्तर प्रदेश।

(जनपद श्रावस्ती, बांदा, बलरामपुर एवं शामली को छोड़कर)

विषय:— पंजीकृत राजनैतिक दलों (RUPPs) द्वारा अंशदान रिपोर्ट, आडिट रिपोर्ट एवं निर्वाचन व्यय विवरणी जमा किये जाने के सम्बंध में।

महोदय/महोदया,

कृपया उपर्युक्त विषयक भारत निर्वाचन आयोग के पत्र सं०-76/PPEMS/Transparency/2013 दिनांक 29.08.2014 (निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण पर अनुदेशों का सार-संग्रह, जनवरी, 2024 का अनुलग्नक-च4) का अवलोकन करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा निर्गत पारदर्शिता एवं लेखांकन संबंधी दिशा-निर्देशानुसार पंजीकृत राजनैतिक दल अपने दल की अंशदान की रिपोर्ट, चार्टर्ड अकाउण्टेंट द्वारा यथा प्रमाणित लेखा परीक्षित वार्षिक लेखे एवं निर्वाचन व्यय विवरणी सम्बंधित राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (अर्थात् जिस राज्य में दल का मुख्यालय स्थित है) के पास निर्धारित समय एवं शीति से दाखिल करेंगे।

2- आयोग द्वारा पंजीकृत राजनैतिक दलों के लिये अंशदान रिपोर्ट, आडिट रिपोर्ट एवं निर्वाचन व्यय विवरणी (पार्ट/फुल) जमा करने हेतु निम्नवत् प्रारूप एवं समय सीमा निर्धारित की गई है-

(अ)-अंशदान रिपोर्ट (Contribution Report)-प्रत्येक वर्ष 30 सितम्बर तक अथवा आयकर विवरणी दाखिल करने के लिए सी०बी०डी०टी० द्वारा यथा विस्तारित तिथि तक निर्धारित प्रारूप (फार्म-24क) पर।

(ब)-वार्षिक लेखा परीक्षित लेखे (Annual Audited Account)- प्रत्येक वर्ष 31 अक्टूबर तक। भारत निर्वाचन आयोग के पत्र सं० 56/ए/आईसीएआई रिपोर्ट/2015/पीपीईएमएस, दिनांक 27 अप्रैल, 2015 के साथ संलग्न "Guidance Note of Accounting and Auditing of Political Parties" के अनुसार।

(स)-निर्वाचन व्यय विवरणी (Election Expenditure Statement)- भारत निर्वाचन आयोग के पत्र सं० 76/ईई/2012-पीपीईएमएस, दिनांक 21 जनवरी, 2013 (निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण पर अनुदेशों का सार-संग्रह, जनवरी, 2024 का अनुलग्नक-च3) के निर्देशानुसार राजनैतिक दलों द्वारा लोकसभा निर्वाचन की स्थिति में परिणाम घोषणा के 90 दिनों के अन्दर एवं विधानसभा निर्वाचन की स्थिति में 75 दिनों के अन्दर निर्धारित प्रारूप पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में जमा की जानी है। (यदि पार्टी की ओर से खड़े किये गये समस्त प्रत्याशियों का नामांकन खारिज हो गया है तो ऐसी स्थिति में पार्टी को निर्वाचन व्यय विवरणी नहीं जमा की जानी है।)

(द)–आंशिक निर्वाचन व्यय विवरण–भारत निर्वाचन आयोग के पत्र सं० 76/अनुदेश/2015/ईईपीएस/खण्ड–II, दिनांक 08 सितम्बर, 2015 (निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण पर अनुदेशों का सार–संग्रह, जनवरी, 2024 का अनुलग्नक–च7) के निर्देशानुसार राजनैतिक दलों द्वारा परिणाम घोषणा के 30 दिनों के भीतर आंशिक निर्वाचन व्यय विवरण निर्धारित प्रारूप पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में जमा करेंगे।

3– उल्लेखनीय है कि आयोग के निर्देशों के क्रम में पंजीकृत राजनैतिक दलों का भौतिक सत्यापन कार्य अप्रैल, 2025 में कराते हुए राजनैतिक दलों से प्राप्त Annexure-A पर सूचना प्राप्त की गई थी, जिसे आयोग द्वारा दिये गये URL Link पर DEO एवं CEO स्तर पर फीड किया गया था। जनपद द्वारा फीड किये गये डाटा एवं पार्टी से प्राप्त Annexure-A की समीक्षा में पाया गया है कि कतिपय प्रविष्टियाँ त्रुटिपूर्ण फीड की गई हैं, जिसका मिलान किया जाना है। जनपद स्तर पर पोर्टल पर प्रविष्टियों को सही करने की कार्यवाही आयोग से डाटा खुलवाने की उपरान्त की जायेगी जिसके सम्बंध में पृथक से निर्देश निर्गत किये जायेंगे।

4– उपरोक्त निर्देशों के क्रम में जनपद स्तर पर कार्यवाही पूर्ण कराते हुए निम्नानुसार रिपोर्ट्स/अभिलेख मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय, उ०प्र० को उपलब्ध कराये जाने हैं–

- (1)– जनपद के समस्त पंजीकृत राजनैतिक दलों को अंशदान रिपोर्ट के प्रारूप की प्रति, निर्वाचन व्यय विवरणी के प्रारूप की प्रति, आंशिक निर्वाचन व्यय विवरण प्रारूप की प्रति एवं आडिट रिपोर्ट के सम्बंध में आयोग द्वारा जारी गाइडलाइन नोट की प्रति उपलब्ध कराते हुए रिपोर्ट्स जमा करने की नियत तिथि से अवगत कराया जाये।
- (2)– प्रस्तर–3 के निर्देश क्रम में जनपद स्तर पर फीड किये गये डाटा का मिलान पंजीकृत राजनैतिक दलों द्वारा भौतिक सत्यापन के समय एनेक्जर–ए पर दी गई सूचना से मिलान कर त्रुटियों को दिनांक 30.09.2025 तक चिन्हित किया जाना है।
- (3)– जनपद निर्वाचन कार्यालय द्वारा जनपद में स्थित पंजीकृत राजनैतिक दलों को सूचित किया जाय कि पार्टी द्वारा वित्तीय वर्ष 2024–25 की अंशदान रिपोर्ट, वार्षिक लेखा परीक्षित लेखे (आडिट रिपोर्ट) की मूल प्रति निर्धारित प्रारूप पर जनपद निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध करायेंगी। जनपद निर्वाचन कार्यालय द्वारा राजनैतिक दलों से प्राप्त रिपोर्ट्स की प्रति को कार्यालय में सुरक्षित रखा जायेगा तथा रिपोर्ट्स की मूल प्रति एवं स्कैण्ड प्रति पी०डी०एफ० फाइल में कार्यालय मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उ०प्र०, अनुभाग–8 को तत्काल उपलब्ध कराई जायेंगी।

अतः आपको निर्देशित किया जाता है कि उपरोक्तानुसार कार्यवाही पूर्ण कराते हुए जनपद के पंजीकृत राजनैतिक दलों से वित्तीय वर्ष 2024–25 की अंशदान एवं आडिट रिपोर्ट की प्रति राजनैतिक दलों से प्राप्त होते ही इस कार्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

सलंगनक–यथोक्त।

भवदीय,
Digitally signed by
NAVDEEP RINWA
Date: 19-09-2025
20:29:23 (नवदीप रिणवा)
मुख्य निर्वाचन अधिकारी।

भारत निर्वाचन आयोग

निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली -110001

सं0 : 76/पी पी ई एम एस/पारदर्शिता/2013

दिनांक : 29 अगस्त, 2014

सेवा में,

1. सभी राजनीतिक दलों के अध्यक्ष / महा सचिव
2. सभी राजनीतिक दलों के कोषाध्यक्ष

विषय: दल की निधियों एवं निर्वाचन व्यय मामलों में पारदर्शिता एवं लेखांकन पर दिशा-निर्देश-तत्संबंधी ।

महोदय / महोदया,

संविधान के अनुच्छेद 324 के अधीन स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन आयोजित करवाने का उत्तरदायित्व भारत निर्वाचन आयोग में निहित है। विभिन्न क्षेत्रों से चिन्ताएं व्यक्त की गई हैं कि धन बल एक समान अवसर में अवरोधक बन रहा है और निर्वाचनों की शुद्धता दूषित कर रहा है। निर्वाचनों के दौरान धन बल के दुरुपयोग को रोकने के लिए आयोग ने समय-समय पर अभ्यर्थियों एवं राजनीतिक दलों को पूर्व में अनेक अनुदेश जारी किए हैं।

2. राजनीतिक दलों से यह अपेक्षित है वे निर्वाचनों के दौरान एवं अन्य समय, दोनों में, जुटाई गई निधियों एवं उपगत व्यय के संबंध में पारदर्शिता एवं लेखांकन का ध्यान रखें। इसके अतिरिक्त, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचनों के आयोजन के संबंध में यह आवश्यक और व्यावहारिक है कि राजनीतिक दलों की निधियों के संबंध में पारदर्शिता लाने एवं लेखांकन के लिए दिशा-निर्देश उपलब्ध करवाए जाएं।

3. दिशा-निर्देशों को प्रतिपादित करने के संबंध में, आयोग ने सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से टिप्पणी /सुझाव / इनपुट्स मांगे हैं। इन दलों में से अधिकतर ने पारदर्शिता संबंधी दिशा निर्देशों के मुद्दे का समर्थन किया है जबकि कुछ अन्यो के भिन्न मत थे। राजनीतिक दलों से प्राप्त सुझावों को ध्यान में रखते हुए और निर्वाचन प्रक्रिया की शुचिता के हित में, आयोग ने राजनीतिक दलों को निधियन में पारदर्शिता लाने एवं लेखांकन के लिए संविधान के अनुच्छेद 324 के अधीन निम्नलिखित दिशा निर्देश एतद्वारा जारी किए हैं:-

- (i) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 13क का परन्तुक (क), अन्य बातों के साथ-साथ, यह उपबंधित करता है कि राजनीतिक दल लेखों की ऐसी पुस्तकें रखेंगे और अनुरक्षित करेंगे जिसमें से उनकी आय से उचित कटौती की जा सके। तदनुसार, यह अपेक्षित है कि (क) राजनीतिक दल का कोषाध्यक्ष या

- ऐसा व्यक्ति जो दल के द्वारा प्राधिकृत है, सभी राज्य और नीचले स्तरों के लेखों के अनुरक्षण सुनिश्चित करने के अतिरिक्त, दल के केन्द्रीय मुख्यालय में समेकित लेखों का, उपरोक्त प्रावधान के अधीन, अपेक्षित रीति से अनुरक्षण करेगा (ख) उसके द्वारा अनुरक्षित लेखों को द इन्सीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउण्टेंट ऑफ इण्डिया (आई सी ए आई) द्वारा जारी राजनीतिक दलों के लेखांकन एवं लेखा-परीक्षण पर मार्गदर्शी नोट के अनुसार होना होगा और (ग) वार्षिक लेखा, योग्यता प्राप्त पेशेवर चार्टर्ड अकाउण्टेंट द्वारा लेखा-परीक्षित एवं प्रमाणित किया जाएगा।
- (ii) आयोग ने नए राजनीतिक दलों के पंजीकरण के लिए अपेक्षित आवश्यकताओं में 8 अक्टूबर, 2010 से संशोधन किया है जिसमें दल को, अन्य बातों के साथ-साथ, अपने परीक्षित वार्षिक लेखों की प्रति जमा करवानी अपेक्षित है। तदनुसार, एकरूपता लाने के लिए, सभी राजनीतिक दल आयोग को या नीचे पैरा (xi) में उल्लेखित ऐसे प्राधिकारी को, प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए लेखा-परीक्षक की रिपोर्ट के साथ परीक्षित, वार्षिक लेखों की एक प्रति प्रत्येक वर्ष 31 अक्टूबर से पहले प्रस्तुत करेंगे।
- (iii) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80 जी जी बी एवं 80 जी जी सी के प्रावधान में, अन्य बातों के साथ-साथ यह वर्णित है कि किसी व्यक्ति या कम्पनी द्वारा नकदी के रूप में राजनीतिक दल को किए गए अंशदान में से कोई भी कटौती करने के अनुमति नहीं दी जाएगी। तदनुसार, राजनीतिक दल अपनी जन सभाओं के दौरान जनता द्वारा दान की गई खुदरा राशियों को छोड़कर, सभी ऐसे व्यक्तियों, कम्पनियों या इकाईयों के नाम एवं पते का अनुरक्षण करेंगे जो उनको दान देते हैं। इसके अतिरिक्त, नकदी के रूप में प्राप्त किसी भी प्रकार की राशि / दान संबंधित लेखा पुस्तक में विधिवत रूप से लेखांकित किया जाएगा एवं इसकी प्राप्ति के एक सप्ताह के अंदर, दल के बैंक खाते में जमा कर दिया जाएगा। यद्यपि, दल के दिन-प्रतिदिन की कार्य पद्धति के लिए एवं नकद व्यय के भुगतान के लिए, दल अपेक्षित यथोचित राशि रख सकता है।
- (iv) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 40क (3) यह उपबंधित करता है कि आयकर नियम, 1962 के नियम 6 घ घ में यथा उपबंधित छूट प्राप्त श्रेणी को छोड़कर, किसी भी व्यापारिक इकाई द्वारा एक व्यक्ति को एक दिन में रु. 20,000/-* से अधिक के सभी भुगतान अकाउण्ट पेई चैक/ड्राफ्ट द्वारा किया जाना अपेक्षित है। इसी प्रकार, यदि कोई दल किसी प्रकार का व्यय कर रहा है तो वह यह सुनिश्चित करेगा कि रु. 20,000 /-* से अधिक के कोई भी भुगतान एक दिन में किसी व्यक्ति या कम्पनी या इकाई को नकदी के रूप नहीं किया जाए, सिवाय जहां (क) भुगतान किसी गांव या नगर में किया जाता है जहां पर बैंक की सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं; या (ख) भुगतान किसी कर्मचारी या दल के कार्यकर्ता को वेतन, पेंशन या उसके व्यय की प्रतिपूर्ति के लिए किया जाता है; या (ग) किसी विधि के अधीन नकद भुगतान अपेक्षित है।
- (v) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 77(3) किसी अभ्यर्थी के निर्वाचन व्यय की उच्चतम सीमा को उपबंधित करती है। अतः, यदि दल अपने अभ्यर्थियों को उनके निर्वाचन व्यय में कोई वित्तीय

सहायता उपलब्ध कराना चाहता है तो यह सहायता निर्धारित उच्चतम सीमा से अधिक नहीं होगी। दल द्वारा इस संबंध में किसी भी प्रकार का भुगतान केवल क्रॉस अकाउण्ट पेई चैक या ड्राफ्ट या बैंक अकाउण्ट ट्रान्सफर के माध्यम से किया जाएगा न कि नकदी के रूप में।

- (vi) मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल सभी रिपोर्ट अर्थात फार्म 24क में अंशदान की रिपोर्ट, उपरोक्त पैरा 3(i) में संदर्भित चार्टर्ड अकाउण्टेंट द्वारा यथा प्रमाणित लेखा परीक्षित वार्षिक लेखे, और निर्वाचन व्यय विवरण निर्वाचन आयोग के पास दाखिल करेंगे जबकि गैर मान्यता प्राप्त दल यह सब संबंधित राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सी ई ओ) (अर्थात जहां दल का मुख्यालय स्थित है) के पास निर्धारित समय एवं रीति से दाखिल करेंगे।

4. उपर्युक्त दिशा-निर्देश सभी राजनीतिक दलों पर 01 अक्टूबर, 2014 से लागू होंगे।

भवदीय,

ह./-

(मलय मल्लिक)

अवर सचिव

प्रतिलिपि प्रेषित :

1. सभी मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को इस अनुरोध के साथ कि इसे अपने संबंधित राज्यों के सभी राजनीतिक दलों के नोटिस में लाया जाए।
2. अध्यक्ष, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली को राजनीतिक दलों के लिए उपयुक्त नियम बनाने के संदर्भ में।
3. अध्यक्ष, इन्सीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउण्टेंट ऑफ इण्डिया, आई सी ए आई भवन, इन्द्रप्रस्थ मार्ग, बाक्स न. 7100, नई दिल्ली-110002 को राजनीतिक दलों के मार्गदर्शी नोट पर बिन्दुओं को शामिल करने के संदर्भ में।

***कृपया अनुलग्नक- ड11 और अनुलग्नक- ड12 को देखें।**

प्ररूप 24क
(नियम 85ख देखिए)

[यह प्ररूप आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 139 के अधीन संबंधित वित्तीय वर्ष के दौरान राजनैतिक दल की आय की विवरणी प्रस्तुत करने के लिए नियत तारीख से पूर्व निर्वाचन आयोग के समक्ष फाइल किया जाना चाहिए और इस आशय का एक प्रमाणपत्र आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन छूट का दावा करने के लिए आय-कर विवरणी के साथ संलग्न किया जाना चाहिए।

1. राजनैतिक दल का नाम:
2. राजनैतिक दल की प्रास्थिति (मान्यताप्राप्त/अमान्यताप्राप्त):
3. राजनैतिक दल के मुख्यालय का पता:
4. निर्वाचन आयोग के पास राजनैतिक दल के रजिस्ट्रीकरण की तारीख:
5. स्थायी खाता सं० (पेन)..... और वह आय-कर वार्ड/सर्किल जहां राजनैतिक दल की विवरणी फाइल की जानी है.....
6. वित्तीय वर्ष 20.....-20..... के दौरान प्राप्त ऐसे अभिदायों के जो बीस हजार रुपए से अधिक है, ब्यौरे—

क्र० सं०	अभिदात्री व्यक्ति/कंपनी का नाम और पूरा पता	पेन (यदि कोई हो) और आय-कर वार्ड/सर्किल	अभिदाय की रकम	अभिदाय की रीति। (चेक/मांगदेय ड्राफ्ट/नकद)	टिप्पणियां

* चेक/मांगदेय ड्राफ्ट द्वारा संदाय की दशा में, उस बैंक या बैंक की शाखा का नाम जिस पर चेक/मांगदेय ड्राफ्ट लिख गया है।

7. यदि अभिदायी एक कंपनी है तो क्या कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 239क के अधीन अधिकथित शर्तों का अनुपालन किया गया है (कंपनी से अभिप्राप्त इस आशय के प्रमाणपत्र की एक प्रति संलग्न की जानी चाहिए)।

सत्यापन

मैं..... (स्पष्ट अक्षरों में पूरा नाम) पुत्र/पुत्री.....
.....सत्यनिष्ठा से घोषणा करता हूं कि मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार, इस प्ररूप में दी गई जानकारी ठीक, पूर्ण और सही तौर पर बताई गई है।

मैं यह घोषणा करता हूं कि मैं, ऊपर नामित राजनैतिक दल की ओर से.....की अपनी हैसियत में इस प्ररूप को सत्यापित कर रहा हूं और मैं ऐसा करने के लिए सक्षम भी हूं।

(कोषाध्यक्ष/प्राधिकृत व्यक्ति का हस्ताक्षर और नाम)

तारीख.....

स्थान.....

Conduct of Elections Rules, 1961
(Statutory Rules and Order)

¹[FORM 24A
(See rule 85B)]

[This form should be filed with the Election Commission before the due date for furnishing a return of the Political Party's income of the concerned financial year under section 139 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and a certificate to this effect should be attached with the Income-tax return to claim exemption under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961).]

1. Name of Political Party:

2. Status of the Political Party:
(recognised/unrecognised)

3. Address of the headquarters of the Political Party:

4. Date of registration of Political Party with Election Commission:

5. Permanent Account Number (PAN) and Income-tax Ward/Circle where return of the political party is filed: _____

6. Details of the contributions received, in excess of rupees twenty thousand, during the Financial Year: 20 - . -20 .

Serial number	Name and complete address of the contributing person/company	PAN (if any_ and Income-Tax Ward/Circle	Amount of contribution (Rs.)	Mode of contribution *(cheque/demand draft/cash)	Remarks

*In case of payment by cheque/demand draft, indicate name of the bank and branch of the bank on which the cheque/demand draft has been drawn.

7. In case the contributor is a company, whether the conditions laid down under section 293A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) have been complied with (A copy of the certificate to this obtained from the company should be attached).

Verification

I, _____ (full name in Block letters), son/daughter of _____ solemnly declare that to the best of my knowledge and belief, the information given in this Form is correct, complete and truly stated.

I further declare that I am verifying this form in my capacity as _____ on behalf of the Political Party above named and I am also competent to do so.

(Signature and name of the Treasurer/Authorised person)]

Date: _____

Place: _____

S No - 2(CI)

BY SPL. MESSENGER / BY SPEED POST

ELECTION COMMISSION OF INDIA

Nirvachan Sadan, Ashoka Road, New Delhi - 110001

No.56/AA/ICAI Report/2015/PPEMS 795-801 Dated : 27th April 2015

To

895-929(SD)

1. The Treasurer of all Recognized National Political parties
2. The Treasurer of all Recognized State Political parties
(Through CEO Office)
3. The other Registered Political parties, (Through CEO Office)

Sub: Transparency and accountability in party funds - Uniform Accounting & Auditing Framework for Political Parties - reg.

Sir,

I am directed to refer to the Commission's Guidelines on transparency and accountability in party funds and election expenditure matter vide its letter No. 76/PPEMS/Transparency/2013 dated: 29th August 2014 and letter No. 76/PPEMS/Transparency/2014 dated 14th October, 2014 and to state that as per the said guidelines the political parties are required to maintain such books of accounts and other documents as would enable proper deduction of income there from and all political parties are also required to submit annual audited account before 31st October of each financial year to the Commission (in case of recognized parties)/ Chief Electoral officer of the state where the party headquarters is situated (in case of unrecognized parties), confirming to the 'Guidance Note on Accounting and Auditing of Political parties' issued by the Institute of Chartered Accountants of India in February, 2012 (copy enclosed).

2. The Guidance Note is also available on the website of the Commission under Political Parties/ Transparency guidelines.

Yours faithfully,

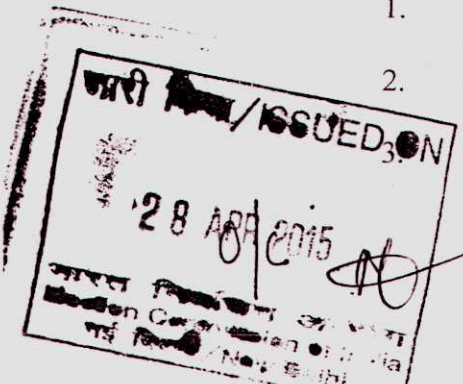
(MALAY MALLICK)

UNDERSECRETARY

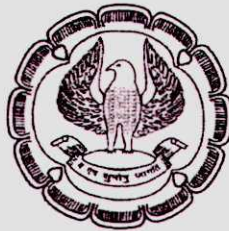
Copy to:

1. Chief Electoral Officers of all states for taking necessary action in case of political parties having headquarters situated in their states.
2. President ICAI for information of all Chartered Accountants, in charge of maintenance and audit of accounts. ICAI Bhawan, Indraprastha Marg
New Delhi - 110002.

Guard file



Guidance Note
on
**Accounting & Auditing of
Political Parties**



The Institute of Chartered Accountants of India
(Set up by an Act of Parliament)
New Delhi

© THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form, or by any means, electronic mechanical, photocopying, recording, or otherwise, without prior permission, in writing, from the publisher.

First Edition : February, 2012

Committee/Department : Technical Directorate

Email : tdte@icai.org

Website : www.icai.org

Published by : The Publication Department on behalf of the Institute of Chartered Accountants of India, ICAI Bhawan, Post Box No. 7100, Indraprastha Marg, New Delhi - 110 002.

Printed by : Sahitya Bhawan Publications, Hospital Road, Agra 282 003
February/2012/1000 Copies

Foreword

Political Parties are one of the core organisations for functioning of a democracy. In this dynamic scenario, where the sources of funding of the Political Parties are diversified, the objectives of accountability and transparency seem to be of great importance. Transparent accounting and financial reporting are also central to the fulfilment of new age governance. The introduction of acceptable accounting practices and disclosure norms are not just technical practices but the foundations for the integrity and maturity of the Political Parties. Political Parties would therefore need to reflect their 'financial position' and 'financial performance' which should indicate their ability to achieve their developmental goals, meet their programme targets, their efficiency in the use of resources.

It has, however, been felt that the present system of accounting and financial reporting followed by Political Parties in India does not adequately meet the accountability concerns of the stakeholders. The ICAI, therefore, as desired by the Election Commission of India (ECI) made certain recommendations to the ECI for improving the present system of accounting followed by Political Parties in India. Subsequent to the above, it is heartening to note that the ICAI has formulated this Guidance Note on '*Accounting and Auditing of Political Parties*'. I congratulate CA. S.B. Zaware under whose able conveyance a study group was setup by the Council for finalising the draft of the Guidance Note. I also thank the other members of the group in making invaluable contribution in this endeavour.

I hope that this endeavour of the Election Commission of India and ICAI will go a long way in establishing sound accounting principles and provide guidance to the Political Parties, members and others concerned.

New Delhi
February, 2012

CA. G. Ramaswamy
President

Preface

India being a democratic country has a large number of national as well as regional Political Parties. Political Parties are the part and parcel of a democratic system. In a democratic setup, Political Parties are the public organisations which contest elections to occupy the decisive position of authority. They provide an important link between the Government and people as these are generally concerned with provision of social welfare, macro-economic management of the economy, and economic prosperity of its people. Consequently, in a democratic society like ours, the citizens deserve a fair account of how their money is being used by the Political Parties and the Government. As public organisations, it is necessary that Political Parties be accountable to the general public. It is a widely recognised fact that one of the means of ensuring public accountability and transparency is the dissemination of relevant financial information about the operating activities of the entity and its financial condition to all stakeholders.

Keeping the above in view, the Election Commission of India (ECI) approached ICAI, to recommend changes in order to bring uniformity in Accounting and Auditing practices being followed by Political Parties presently. Taking forward a step in the direction subsequent to the submission of the recommendations on the above to the ECI, the ICAI has formulated this '*Guidance Note on Accounting and Auditing of Political Parties*' which lays down the Uniform Accounting and Auditing Framework for the preparation and presentation of financial statements by Political Parties. The Guidance Note, *inter alia*, also lays down the principles of recognition, measurement and disclosure of items of income, expenses, assets and liabilities in the financial statements of Political Parties. A uniform format of financial statements has also been recommended.

I am thankful to CA. Amarjit Chopra, Former President, CA. G. Ramaswamy, President and CA. Jaydeep Shah, Vice President for opportunity given to the Study-group to deliberate and pen down the draft of the Guidance Note. I place on record my deep appreciation of CA. Nilesh Shivji Vikamsey and CA. Atul Chunilal Bheda, members of the Study-group for the invaluable contributions made by them. I also compliment the invaluable contribution made by Dr. Avinash Chander, Technical Director and Ms. Deepthi Dhiman, Section Officer from Technical Directorate, involved in the formulation of the Guidance Note.

I deeply appreciate the valuable suggestions and deliberations of Dr. S.Y. Quaraishi, Chief Election Commissioner, Shri V.S. Sampath, Election

Commissioner, Shri. H.S. Brahma, Election Commissioner, Mr. P.K. Dash,
Director General and other officials of Election Commission of India.

I sincerely believe that this Guidance Note will prove to be useful for political parties as well as for our members and go a long way in establishing sound accounting and auditing principles for the political parties.

February, 2012

CA S.B. Zaware
Convenor
Study Group of the Council on
'Uniform Accounting and Auditing Framework for Political Parties'

Dr. S. Y. Quraishi
Chief Election Commissioner of India




भारत निर्वाचन आयोग
Election Commission of India

MESSAGE

Transparency and Accountability are the cardinal principles of democracy. To ensure this, the Election Commission had asked the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI) to develop standardized formats for auditing of accounts of political parties. I am happy that ICAI has come up with suitable recommendations and has decided to obtain feedback from its members and the general public on its 'Guidance Note on Accounting and Auditing of Political Parties'.

Political parties are major stakeholders in a democracy. They seek to represent public interest in legislative and executive fora. Therefore, transparency and accountability in their functioning is desirable in the best interests of democracy and their own credibility.

I would like to compliment the ICAI for its positive role and I am sure their efforts will go a long way in development of a stronger and mature democracy in India.


(S.Y. Quraishi)

Contents

<i>Foreword</i>	<i>iii</i>
<i>Preface</i>	<i>v</i>
<i>Message from Chief Election Commissioner of India</i>	<i>vii</i>
1. Introduction	1
2. Objectives	2
3. Scope	3
4. Basis of Accounting	3
5. Accounting Framework for Political Parties	5
6. Accounting Standards and their Applicability to Political Parties	11
7. Books of account to be maintained by Political Parties	13
8. Formats of Financial Statements under Accrual basis of Accounting	14
9. Auditing Framework for Political Parties	15
APPENDICES	
<i>Appendix I</i> Applicability of Accounting Standards issued by the ICAI to Political Parties	17
<i>Appendix II</i> Illustrative formats of Financial Statements	20
<i>Appendix III</i> Illustrative format of Auditor's Report	39

Guidance Note on Accounting and Auditing of Political Parties

(Following is the text of the Guidance Note on Accounting and Auditing of Political Parties, issued by the Council of the Institute of Chartered Accountants of India.)

1. Introduction

India is a democratic country with federal features and Political Parties are one of the core institutions for the democracy. Party system is inevitable in a democratic setup. In other words, a democratic Government always works through Political Parties. Political Parties are supposed to enlighten, represent and protect the people's interest in a representative democracy. Following are the features of a Political Party:

1. Organisational structure and stability
2. Definite objectives
3. Activities on the basis of ideas, principles and mandates.
4. Redressal of public issues
5. Ultimate objective of attaining governmental power

When a Political Party or group of Parties in coalition win majority of seats in election, it forms the Government. Other Parties, which do not get the majority, play the role of opposition Parties. Political Parties convey the views and demands of the people to the Government. Hence, all Political Parties that exist in a country along with the ruling Party, are generally concerned with provision of public good and services to citizens, provision of social welfare, macro-economic management of the economy, management of assets and liabilities and economic prosperity of the people of the country. Consequently, in a democratic society like ours, various stakeholders and general public at large deserve a true and fair account of how their money is being raised and used by the Political Parties and how effectively the financial affairs of the economy are being managed.

In this dynamic scenario, where the sources of funding of the Political Parties have been diversified, the objective of accountability and transparency seems to be of great importance. One of the means of ensuring public accountability and transparency is the dissemination of relevant financial information about the operating activities of the entity and its financial condition. Financial information is generally communicated through financial reports.

It has, however, been felt that the present system of accounting and financial reporting followed by Political Parties in India does not adequately meet the accountability concerns of the contributors, donors, other stakeholders such as members/beneficiaries, volunteers and general public etc.

A large number of Political Parties exist in India. The Political Parties registered with the Election Commission of India file a return containing 'A Statement of Election Expenditure by the Party' and 'A Statement of Contributions received by the Party during a particular year' in a prescribed format, which is not sufficient to meet the financial information requirements of the stakeholders. Moreover, various Acts and Legislations governing the Political Parties across India do not lay down any financial accounting and reporting framework. Consequently, preparation of appropriate financial statements and maintaining proper books of account by Political Parties is of utmost importance. It is also necessary to lay down an appropriate 'Auditing Framework' for Political Parties.

A need is, therefore, being felt for improved accountability of the financial resources used by the Political Parties. A sound accounting and auditing framework acts as an important ingredient for promoting accountability of a organisation.

2. Objectives

The objectives of this Guidance Note are to recommend the following:

- ✓ An Accounting & Reporting Framework for the preparation and presentation of financial statements in Political Parties. This includes recommendation of appropriate basis of accounting, the application of sound accounting principles pertaining to recognition, measurement and disclosure of various items of income and expenses, assets and liabilities in the financial statements of Political Parties keeping in view the peculiarities of the activities of Political Parties.

- ✓ Applicability of Accounting Standards issued by the Institute of Chartered Accountants of India to Political Parties.
- ✓ Standardised formats of Financial Statements for Political Parties.
- ✓ Applicability of 'Auditing and Assurance Standards' issued by the ICAI, to Political Parties.

3. Scope

- ✓ The guidance provided under this Guidance Note is applicable to the Political Parties registered with the Election Commission of India under *the Representation of People Act, 1951*.
- ✓ This Guidance Note contains a standardised framework for preparation and presentation of financial statements of Political Parties, using sound accounting principles pertaining to recognition, measurement and disclosures.
- ✓ For the purpose of this Guidance Note, a Political Party is considered as the reporting entity. Most of the Political Parties have wings/branches at State Level/District/City/Town/Village Level. For the sake of convenience and transparency, A Political Party may maintain separate accounts for each such wing/branch. However, for the purpose of preparation of financial statements of the Political Party, the accounts for all branch offices have to be consolidated into that of the Political Party as the reporting entity.

4. Basis of Accounting

The term 'basis of accounting' refers to the timing of recognition of revenue, expenses, assets and liabilities in accounts.

The commonly prevailing bases of accounting under Double Entry Book Keeping system are:

- a. Cash basis of accounting; and
- b. Accrual basis of accounting.

Under the cash basis of accounting, transactions are recorded when the related cash receipts or cash payments take place. Thus, revenue of Political Parties, such as donations, grants, etc. is recognised when funds are actually received. Similarly, acquisition and maintenance of assets used for rendering services as well as for employee remuneration and other items are recorded when the related payments are made. The end-output of cash basis of accounting is a statement of Receipts and Payments that classifies cash receipts and cash payments under different heads.

Accrual basis of accounting is the method of recording transactions by which revenue, expenses, assets and liabilities are reflected in the accounts in the period in which they accrue. The accrual basis of accounting includes considerations relating to accrual of income, provisioning of expenses, allocations like depreciation and amortisation. This basis is also referred to as 'Mercantile Basis of Accounting' and commonly in use

Accrual basis of accounting records the financial effects of the transactions and other events in the period in which they occur rather than recording them in the period(s) in which cash is received or paid. Accrual basis recognises that the economic events that affect an entity's performance often do not coincide with the cash receipts and payments. The objective of accrual basis of accounting is to relate the accomplishments (measured in the form of revenue) and the efforts (measured in terms of costs) so that the reported net income/surplus measures an entity's performance during a period rather than merely listing its cash receipts and payments. Apart from income measurement, accrual basis of accounting recognises assets, liabilities or components of revenue and expenses for amounts received or paid in cash in past, and amounts expected to be received or paid in cash in future.

In cash basis of accounting, no account is taken of whether the asset is still in use, has reached the end of its useful life, or has been sold. Thus, cash-based information fails to show a proper picture of the financial position and performance for the accounting period. A cash-based system does not provide information about total costs of an organisation's activities. On the other hand, accrual system of accounting offers the opportunity to the organisation to improve management of assets, and provides useful information about the real level of organisation's liabilities, relating to both debts and other obligations such as employee entitlements.

Accrual is, thus, a scientific basis of accounting and has conceptual superiority over the cash basis of accounting. It is, therefore, recommended that Political Parties should maintain their books of account on accrual basis.

5. Accounting Framework for Political Parties

This Framework is concerned with General Purpose Financial Statements (here after referred to as 'Financial Statements') and a Cash Flow Statement, viz., the Balance Sheet, Income and Expenditure Account prepared under accrual basis of accounting. Such financial statements are prepared and presented at least annually and are directed towards the common information needs of a wide range of users such as the general public, regulators (Election Commission of India), and donor agencies. These users have to rely on the financial statements as their major source of financial information and cannot prescribe the information they want from an organisation. The General Purpose Financial Statements should, therefore, be prepared and presented with their needs in view. Special purpose financial reports, for example, computations prepared for taxation purposes or others having the authority to obtain the type of information they need are outside the scope of this Framework. Where the General Purpose Financial Statements prepared in accordance with the recommendations contained in this Guidance Note do not provide such specific requisite information, it would be appropriate to prepare a separate statement for the specific purpose envisaged in the relevant statute/regulation or specified in the donor requirements. The recommendations contained in this Guidance Note may be applied to such specific purpose statements to the extent appropriate.

With a view to recommend suitable accounting system for Political Parties, it would be imperative to understand the major ingredients of an accounting framework as discussed in the following paragraphs:

(a) Elements of financial statements basically comprising Income, Expenses, Assets and Liabilities

The framework aims to identify the items that should be considered as income, expenses, assets and liabilities by Political Parties (here after referred to as 'entity') for the purpose of including the same in the financial statements by defining the aforesaid terms.

'Assets' are resources controlled by an entity from which future economic benefits or service potential is expected to flow to the entity. It may thus be noted that the definition of 'asset' would remain the same whether an entity is a business enterprise or a Political Party, insofar as expectation of the future economic benefits is concerned. In other words, what is considered as an asset by a business entity e.g., Land, Building, Furniture and Equipment etc., would be considered as asset by a Political Party also. However, in case of a Political Party, certain items which may not have future economic benefits but have service potential would also be considered as assets. Many assets, for example, computers and buildings have a physical form. However, physical form is not essential to the existence of an asset. Hence, intangible assets such as copyrights and computer software are also assets, if they are controlled by the Political Party and future benefits from their use are expected to flow to the Political Party.

'A liability' is a present obligation of the entity arising from past events, the settlement of which is expected to result in an outflow from the entity of resources embodying economic benefits.

An essential characteristic of a liability is that the entity has a present obligation. An obligation is a duty or responsibility to act or perform in a certain way. Obligations may be legally enforceable as a consequence of a binding contract or a statutory requirement. This is normally the case, for example, with amounts payable for goods and services received and taxes, if any, to be paid. Obligations also arise, however, from normal practices followed by the entity, custom and a desire to maintain good relations or act in an equitable manner.

'Income' is increases in economic benefits during the accounting period in the form of inflows or enhancements of assets or decreases of liabilities that result in increases in owners' interest, other than those relating to contributions from owners.

Revenue arises in the course of ordinary activities of an organisation. Revenue in case of Political Parties is in the form of

- (a) Grants from government/foundations/donor agencies on the basis of duly approved grant letters, specifying the timeframe/guidelines for grant accrual;
- (b) Donations;
- (c) Fee and Subscription from Members;

- (d) Sale of Publications, if any;
- (e) Interest and dividend from investments; and
- (f) Collection from sale of coupons.

Gains represent other items that meet the definition of 'Income' and may or may not arise in the course of the ordinary activities of Political Parties. Gains represent increases in economic benefits and as such are no different in nature from revenue. Gains include, for example, profits arising from the disposal of fixed assets and sale of investments. When gains are recognised in the income and expenditure account, they are usually disclosed separately.

'Expenses' are decreases in economic benefits during the accounting period in the form of outflows or depletions of assets or incurrences of liabilities that result in decreases in owners' interest, other than those relating to distributions to owners.

The definition of 'Expense' encompasses both expenses that arise in the course of the ordinary activities of Political Parties as well as losses. Expenses that arise in the course of the ordinary activities of Political Parties include monetary expenses such as election expenditure; office administration/maintenance expenses; salaries and other employee costs; and non-monetary expenses such as depreciation. The expenses take the form of an outflow or depletion of assets or enhancement of liabilities.

Losses represent other items that meet the definition of 'Expense' and may or may not arise in the course of the ordinary activities of Political Parties. Losses represent decreases in economic benefits and as such they are no different in nature from other expenses. Losses include, for example, those resulting from disasters such as fire and flood, as well as those arising from the disposal of fixed assets. The definition of expenses also includes unrealised losses. These losses are generally recognised in the Income and Expenditure account, and are usually disclosed separately.

(b) Principles for recognition of items of Income, Expenses, Assets and Liabilities

These principles lay down the *timing* of recognition of the aforesaid items in the financial statements of Political Parties. In other words, these principles lay down *when* an item of Income, Expense, Asset or Liability should be recognised in the financial statements.

There is no difference in the application of the recognition principles to business enterprises and Political Parties. For example, the timing of the recognition of a grant/donation/contribution as an income in the financial statements of an organisation does not depend upon the purpose for which the organisation is run. A grant is recognised as income in the financial statements, under accrual basis of accounting, when it becomes reasonably certain that the grant/donation/contribution will be received and that the organisation will fulfill the conditions attached to it. Thus, a business enterprise and a Political Party would both follow the aforesaid criteria for recognition of grant as income. Similarly, principles for recognition of other Incomes, Expenses, Assets and Liabilities would be the same for other entities and Political Parties for which Framework for the Preparation and Presentation of Financial Statements as in case of commercial entities, may be referred.

Recognition Criteria for Items of Income

An item that meets the definition of income becomes eligible to be recognised in the financial statements if:

- (a) it is probable that the inflow or other enhancement of future economic benefits has occurred; and
- (b) the inflow or other enhancements of future economic benefits can be measured reliably.

Recognition Criteria for Items of Expense

An item that meets the definition of 'expense' becomes eligible to be recognised in the income and expenditure account when and only when:

- (a) it is probable that the consumption or loss of future economic benefits resulting in a reduction in assets and/or an increase in liabilities has occurred;
- (b) the consumption or loss of future economic benefits can be measured reliably.

Under accrual basis of accounting, expenses are recognised on the following basis:

- (a) *Identification with revenue transactions*: Costs directly associated with

the revenue recognised during the relevant period (in respect of which whether money has been paid or not) are considered as expenses and are charged to income for the period.

- (b) *Identification with a period of time:* In many cases, although some costs may have connection with the revenue for the period, the relationship is so indirect that it is impracticable to attempt to establish it. However, there is a clear identification with a period of time. Such costs are regarded as 'period costs' and are expensed in the relevant period, e.g., salaries, telephone, travelling, depreciation on office building, etc. Similarly, the costs the benefits of which do not clearly extend beyond the accounting period are also charged as expenses.

Expenses relating to a future period are accounted for as 'prepaid expenses' even though they are paid for in the current accounting period. Similarly, expenses of the current year, for which payment has not yet been made as 'outstanding expenses', are charged to the Income and Expenditure account for the current accounting period.

Recognition of Assets

An asset should be recognised in the Balance Sheet when and only when:

- (a) it is probable that the future economic benefits embodied in the asset will be received; and
- (b) the asset possesses a cost or value that can be measured reliably.

Assets can be classified into various categories depending on their nature and life such as fixed assets; intangible assets; investments – both current and long-term; and current assets – inventories, loans and advances, cash and bank balances.

Recognition of Liabilities

A liability should be recognised in the balance sheet when and only when:

- (a) it is probable that any future sacrifice of economic benefits will be required; and
- (b) the amount of the liability can be measured reliably.

Contingent liabilities:

Terms 'contingent liability' is defined as below:

"A contingent liability is:

- (a) a possible obligation that arises from past events and the existence of which will be confirmed only by the occurrence or non-occurrence of one or more uncertain future events not wholly within the control of the entity; or**
- (b) a present obligation that arises from past events but is not recognised because:**
 - (i) it is not probable that an outflow of resources embodying economic benefits will be required to settle the obligation; or**
 - (ii) a reliable estimate of the amount of the obligation cannot be made."**

"Possible obligation – an obligation is a possible obligation if, based on the evidence available, its existence at the balance sheet date is considered not probable."

A Political Party should not recognise a contingent liability on the face of financial statements, but it should make the following disclosures, for each class of contingent liability, in the notes to financial statements, unless the possibility of any outflow in settlement is remote:

- (a) a brief description of the nature of the contingent liability;**
- (b) an estimate of its financial effect;**
- (c) an indication of the uncertainties relating to any outflow; and**
- (d) the possibility of any reimbursement.**

Where any of the information required in the paragraph above is not disclosed because it is not practicable to do so, that fact should be stated.

(c) **Principles of measurement of items of Income, Expenses, Assets and Liabilities**

These principles lay down at what amount the aforesaid items should be recognised in the financial statements. Measurement is the process of determining the monetary amounts at which the elements of the financial statements are to be recognised and carried in the balance sheet and statement of Income and Expenditure. This involves the selection of the particular basis of measurement. Ordinarily, the same principles of measurement would be applicable in case of Political Parties as those for business enterprises. A number of different measurement bases are employed to different degrees and in varying combinations in financial statements such as historical cost, current cost, realisable (settlement) value and present value depending on the nature of the asset.

(d) **Presentation and disclosure principles**

These principles lay down the manner in which the financial statements are to be presented by Political Parties and the disclosures to be made therein. Insofar as presentation of financial statements is concerned, the principles in case of Political Parties may differ from those applicable to other entities. Similarly, there may be some specific disclosures which the Political Parties may be required to disclose.

6. Accounting Standards and Their Applicability to Political Parties

Accounting is often said to be a social science. It operates in an open and ever-changing economic environment. The nature of transactions entered into by various entities and the circumstances surrounding such transactions differ widely. This characteristic of accounting measurements historically led to the adoption of different accounting practices by different entities for dealing with similar transactions or situations.

Recognising the need for bringing about a greater degree of uniformity in accounting measurements, the trend all over the world now is towards formulation of accounting standards to be adopted in preparation of accounting information and its presentation in financial statements. **Accounting Standards lay down the rules for recognition, measurement, disclosures and presentation of accounting information by different entities.**

In India, the task of formulating accounting standards has been taken up by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI). The Accounting Standards issued by the Institute of Chartered Accountants of India are applicable to Commercial, Industrial and Business enterprises.

Political Parties fall under non-commercial, non-industrial or non-business entities, hence Accounting Standards are usually not applicable to these entities.

'*Preface to the Statements of Accounting Standards*' issued by the ICAI has, however, clarified that even if a small portion of a charitable organisation is considered to be commercial, industrial or business in nature, then it cannot claim exemption from application of accounting standards. In that case Accounting Standards should apply to the entity as a whole and not only to commercial, industrial or business transactions.

The Preface states the following:

"3.3 Accounting Standards are designed to apply to the general purpose financial statements and other financial reporting, which are subject to the attest function of the members of the ICAI. Accounting Standards apply in respect of any entity (whether organised in corporate, co-operative or other forms) engaged in commercial, industrial or business activities, irrespective of whether it is profit oriented or it is established for charitable or religious purposes. Accounting Standards will not, however, apply to entities only carrying on the activities which are not of commercial, industrial or business nature, (e.g., an activity of collecting donations and giving them to flood affected people). Exclusion of an entity from the applicability of the Accounting Standards would be permissible only if no part of the activity of such entity is commercial, industrial or business in nature. Even if a very small proportion of the activities of an entity is considered to be commercial, industrial or business in nature, the Accounting Standards would apply to all its activities including those which are not commercial, industrial or business in nature."

Since the wholesome principles contained in the Accounting Standards provide most appropriate guidance even in case of those organisations to which Accounting Standards do not apply, it is recommended that **Political Parties, irrespective of the fact that no part of the activities is commercial, industrial or business in nature that all Political Parties**

should follow Accounting Standards(See Appendix-I). These Accounting Standards would help Political Parties to maintain uniformity in presentation of financial statements, proper disclosure and transparency. However, while applying the Accounting Standards, certain terms used and content/context in the Accounting Standards may need to be modified for Political Parties. For instance, where an Accounting Standard refers to the term 'Statement of Profit And Loss', in the context of Political Parties, the term 'Income and Expenditure account' should be used.

7. Books of Account to be Maintained by Political Parties

The Political Parties should maintain the following books of account –

1. Cash Book/Bank Book
2. Journal Book
3. Ledger

Books of account should be maintained like any other commercial organisation following the rules of Double Entry Book Keeping System and generally accepted accounting practices prevailing in India.

Political Parties with reference to specific requirements may also other books of account e.g. Receipt Book, Purchase Book, Inventory Register and Voucher files etc. as deemed necessary.

Every Political Party should maintain proper books of account with respect to:

- (a) all sums of monies received by the Political Party and the matters in respect of which receipts take place, showing distinctly the amounts received from income generating activities and through grants/donations/contribution;
- (b) all sums of money expended by the Political Party and the matters in respect of which expenditure takes place;
- (c) all assets and liabilities of the Political Party .

Proper books of account would not be deemed to be kept with respect to the matters specified therein:

- (a) if such books are not kept as are necessary to give a true and fair view of the state of affairs, income and expenditure and cash flows of the Political Party, and to explain its transactions;
- (b) if such books are not kept on accrual basis and according to the double entry system of accounting.

8. Formats of Financial Statements under Accrual basis of Accounting

It is suggested that the following statements should form part of General Purpose Financial Statements of a Political Party:

1. Balance Sheet
2. Income and Expenditure Account
3. Cash Flow Statement
4. Notes forming part of financial statements.

An integrated Balance Sheet for the Political Party as a whole should be presented. In the Balance Sheet, assets and liabilities should not be set-off against each other, even though these may be related to the same programme/project. Rather these should be disclosed separately. Balances of various funds should be distinctly disclosed in the Balance Sheet.

In the preparation and presentation of financial statements, the overall consideration should be that they give a true and fair view of the state of affairs of the Political Party and of the surplus or deficit as reflected in the Balance Sheet and the Income and Expenditure Account, respectively. The financial statements should disclose every material transaction, including transactions of an exceptional and extraordinary nature. The financial statements should be prepared in conformity with relevant statutory requirements, accounting standards and other recognised accounting principles and practices.

For use by Political Parties, for which the governing statute does not

prescribe any formats, the formats of financial statements are given in the *Appendix II*. The formats should be viewed as the minimum rather than the maximum information that Political Parties should present in their financial statements. Those Political Parties who wish to present more detailed information are encouraged to do so.

9. Auditing Framework for Political Parties

The purpose of an audit is to enhance the degree of confidence of intended users in the financial statements. This is achieved by the expression of an opinion by the auditor on whether the financial statements are prepared, in all material respects, in accordance with an applicable financial reporting framework. In the case of most general purpose frameworks, that opinion is on whether the financial statements are presented fairly, in all material respects, or give a true and fair view in accordance with the framework. An audit conducted in accordance with the Standards on Auditing (SAs) and relevant ethical requirements enables the auditor to form that opinion. The auditor's opinion on the financial statements deals with whether the financial statements are prepared, in all material respects, in accordance with the applicable financial reporting framework. Such an opinion is common to all audits of financial statements.

In some cases, however, the applicable laws and regulations may require auditors to provide opinions on other specific matters, such as the effectiveness of internal control, or the consistency of a separate management report with the financial statements. While the SAs include requirements and guidance in relation to such matters to the extent that they are relevant to forming an opinion on the financial statements, the auditor would be required to undertake further work if the auditor had additional responsibilities to provide such opinions.

In conducting an audit of financial statements, the overall objectives of the auditor are:

- (a) To obtain reasonable assurance about whether the financial statements as a whole are free from material misstatement, whether due to fraud or error, thereby enabling the auditor to express an opinion on whether the financial statements are prepared, in all material respects, in accordance with an applicable financial reporting framework; and

- (b) To report on the financial statements, and communicate as required by the SAs, in accordance with the auditor's findings.

Ordinarily, the basic flow of an audit of financial statements, conducted in accordance with the Standards on Audit, issued by the Institute of Chartered Accountants of India, would be as follows:

- Stage 1: Client acceptance/ retention procedures
- Stage 2: Agreeing the Terms of engagement
- Stage 3: Audit Planning
- Stage 4: Performing risk assessment procedures
- Stage 5: Assessing risk of material misstatements
- Stage 6: Responding to assessed risks
- Stage 7: Performing further audit procedures
- Stage 8: Evaluating audit evidence obtained
- Stage 9: Communication and Reporting

It must, however, be noted that aspects like audit documentation, audit planning and risk assessment are iterative and pervasive to any audit. Further, the Institute has issued 35 Standards covering the above mentioned stages of an audit. Since the subject matter of an audit are the financial statements themselves, it is, therefore, necessary to first crystallise the formats of the financial statements of a political party which would then be the starting point for an audit.

An illustrative format of Auditor's Report on the Financial Statements of a Political Party is given in *Appendix III*.

Appendix I

Applicability of Accounting Standards issued by the ICAI to Political Parties

Accounting Standards issued by the ICAI

AS No.	Title
1	Disclosure of Accounting Policies
2	Valuation of Inventories
3	Cash Flow Statement
4	Contingencies and Events occurring after the Balance Sheet Date
5	Net Profit or Loss for the Period, Prior Period Items and changes in Accounting Policies
6	Depreciation Accounting
7	Accounting for Construction Contracts
9	Revenue Recognition
10	Accounting for Fixed Assets
11	Accounting for the Effect of Changes in Foreign Exchange Rates
12	Accounting for Government Grants
13	Accounting for Investments
14	Accounting for Amalgamations
15	Accounting for Retirement Benefits in the Financial Statements of Employers
16	Borrowing Costs
17	Segment Reporting
18	Related Party Disclosures
19	Leases
20	Earnings Per Share
21	Consolidated Financial Statements
22	Accounting for Taxes on Income
23	Accounting for Investment in Associates in Consolidated Financial Statements
24	Discontinuing Operations

AS No.	Title
25	Interim Financial Reporting
26	Intangible Assets
27	Financial Reporting of Interests in Joint Venture
28	Impairment of Assets
29	Provisions Contingent Assets and Contingent liabilities
30	Financial Instruments: Recognition and Measurement
31	Financial Instruments: Presentation
32	Financial Instruments: Disclosure

It may be noted that, so far, the Institute of Chartered Accountants of India has formulated 32 Accounting Standards out of which one Standard [viz., Accounting Standard (AS) 8, *Accounting for Research and Development*] is no longer in force and three Standards [viz., Accounting Standard (AS) 30, *Financial Instruments: Recognition and Measurement*; Accounting Standard (AS) 31, *Financial Instruments: Presentation*; and Accounting Standard (AS) 32, *Financial Instruments: Disclosure*] are not yet mandatory even in case of commercial entities.

It may also be noted that the following Accounting Standards may not be relevant to Political Parties. However, it is suggested that Political Parties should follow such Accounting Standards to the extent relevant, keeping in view the activities carried out by them:

- (AS 7) Accounting for Construction Contracts
- (AS 14) Accounting for Amalgamations
- (AS16) Borrowing Costs
- (AS 17) Segment Reporting
- (AS 20) Earnings Per Share
- (AS 21) Consolidated Financial Statements
- (AS 22) Accounting for Taxes on Income etc.
- (AS 23) Accounting for Investment in Associates in Consolidated Financial Statements

- (AS 24) Discontinuing operations
- (AS 25) Interim Financial Reporting
- (AS 27) Financial Reporting of Interests in Joint Venture
- (AS 28) Impairment of Assets

It may also be noted that where an Accounting Standard on the subject matter relevant to Political Parties does not exist, the Political Parties may draw guidance from Accounting Standards for Local Bodies (ASLBs) issued by ICAI and in case of non existence of guidance even from ASLBs, the Political Parties may draw guidance from the corresponding International Public Sector Accounting Standards (IPSASs).

Appendix II

Formats of Financial Statements (Political Parties)

NAME OF POLITICAL PARTY _____

BALANCE SHEET AS AT _____

(₹.....)

SOURCES OF FUNDS	Schedule	Current Year	Previous Year
CORPUS FUND	1		
GENERAL FUND	2		
EARMARKED FUNDS	3		
RESERVES	4		
LOANS/BORROWINGS	5		
Secured			
Unsecured			
CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS	6		
TOTAL			
APPLICATION OF FUNDS	7		
FIXED ASSETS			
Tangible Assets			
Intangible Assets			
Capital Work-in-progress			
INVESTMENTS	8		
Long Term			
Current Investments			
CURRENT ASSETS	9		
LOANS, ADVANCES & DEPOSITS	10		
TOTAL			
Significant Accounting Policies	20		
Notes on Accounts	21		

NAME OF POLITICAL PARTY _____

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE PERIOD/ YEAR ENDED _____

(₹.....)

INCOME	Schedule	Current Year	Previous Year
FEE & SUBSCRIPTIONS	11		
GRANTS / DONATIONS/ CONTRIBUTIONS	12		
COLLECTION BY ISSUING COUPONS/SALE OF PUBLICATIONS	13		
OTHER INCOME	14		
TOTAL (A)			
EXPENDITURE			
ELECTION EXPENDITURE	15		
EMPLOYEE COSTS	16		
ADMINISTRATIVE AND GENERAL EXPENSES	17		
FINANCE COSTS	18		
DEPRECIATION & AMORTISATION EXPENSES			
OTHER EXPENSES	19		
TOTAL (B)			
Balance being excess of Income over Expenditure (A-B)			
Transfers to/from reserves			
Balance Being Surplus (Deficit) Carried to General Fund			
Significant Accounting Policies	20		
Notes on Accounts	21		

General Instructions

1. The financial statements of Political Parties (viz., Balance Sheet and Income and Expenditure Account) should be prepared on accrual basis.
2. A statement of all significant accounting policies adopted in the preparation and presentation of the Balance Sheet and the Income and Expenditure Account should be included in the Political Party's Financial Statements. Where any of the accounting policies is not in conformity with Accounting Standards, and the effect of departures from Accounting Standards is material, the particulars of the departure should be disclosed, together with the reasons therefore and also the financial effect thereof except where such effect is not ascertainable.
3. Accounting policies should be applied consistently from one financial year to the next. Any change in the accounting policies which has a material effect in the current period or which is reasonably expected to have a material effect in later periods should be disclosed. In case of a change in accounting policies which has a material effect in the current period, the amount by which any item in the financial statements is affected by such change, should also be disclosed to the extent ascertainable. Where such amount is not ascertainable, wholly or in part, the fact should be indicated.
4. The accounting treatment and presentation in the financial statements should be governed by their substance and not merely by the legal form.
5. In determining the accounting treatment and manner of disclosure of an item in the financial statements, due consideration should be given to the materiality of the item.
6. Notes to the financial statements should contain the explanatory material pertaining to the items included therein.
7. If the information required to be given under any of the items or sub-items in these formats cannot be conveniently included in the Balance Sheet or the Income and Expenditure Account itself, as the case may be, it can be furnished in a separate schedule or schedules to be annexed to and forming part of the Balance Sheet or the income and expenditure account. This is recommended where items are numerous.

8. The schedules referred to above, accounting policies and explanatory notes should form an integral part of the financial statements.
9. The corresponding amounts for the immediately preceding financial year for all items shown in the Balance Sheet and the Income and Expenditure Account and Cash Flow Statement should also be given in the Balance Sheet or Income and Expenditure Account and Cash Flow Statement, as the case may be.
10. A cash flow statement may be annexed to the Balance Sheet, wherever applicable, showing cash flows during the period covered by the Income and Expenditure Account and during the corresponding previous period.
11. Disclosures as suggested in the formats are minimum requirements. A Political Party is encouraged to make additional disclosures.
12. The figures in the financial statements, if rounded off, should be rounded off as below:

Amount of Gross Revenue (in ₹)	Rounding off to (₹)
Up to one crore	Actual in rupees
One Crore or more but less than one hundred crore	Lakh / Million
One hundred Crore or more	Crore / Billion

Schedules Forming Part of Accounts

NAME OF ENTITY _____

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT

SCHEDULE 1 - CORPUS FUND

- a) Corpus Fund refers to funds contributed by founders/promoters/ members of the Political Party.
- b) The Opening Balances, Additions and the Closing Balance of the Corpus/Capital Fund should be shown under this head.

SCHEDULE 2 - GENERAL FUND

- a) Donations/contributions from Companies, individuals/general public should be included under this fund.
- b) This head should also include the funds contributed by the members of the party other than the members referred to in above schedule.
- c) The balance, if any, in the income and expenditure account after appropriation, i.e., surplus/(deficit) is transferred to this fund.

SCHEDULE 3 - EARMARKED FUNDS

- a) Designated/Earmarked funds are funds set aside by the Political Parties for specific purposes or to meet specific future commitments.
- b) The following should be shown in respect of each of the designated fund.

Balance at the beginning of the year

Additions during the year

Deductions during the year

Balance at the end of the year

- c) Disclosures should be made under relevant heads based on self-imposed conditions/restrictions on the grants.
- d) Assets, such as investments, and liabilities related to each designated fund should be disclosed separately.

SCHEDULE 4 – RESERVES

Following reserves may be created by a Political Party

- a) Revaluation reserve is created to reflect effects of changing prices, fixed assets otherwise stated at historical costs, are revalued and the historical cost substituted by a revaluation, normally done by competent valuers. Such substitution resulting in an upward revaluation is required to be shown as a "Revaluation Reserve".
- b) Special reserves comprise the reserves required to be created pursuant to any statutory or regulatory requirement applicable to the entity.
- c) General reserves is a reserve other than capital reserve and revaluation reserve.
- d) Following particulars should be shown in respect of each reserve:
 - (a) Balance at the beginning of the year.
 - (b) Additions during the year.
 - (c) Deductions during the year.
 - (d) Balance at the end of the year.

SCHEDULE 5 – LOANS /BORROWINGS

- a) The head should be classified into funds borrowed from, Financial Institutions, banks or other institutions or agencies etc. and separately disclosed.

- b) Borrowings should further be sub-classified as secured and unsecured and specified separately in each case. Secured loans and borrowings should be such as are against hypothecation/pledge/ charge on asset on the entity. Unsecured loans and borrowings comprise amount in respect of which no asset of entity is charged as security or encumbered.
- c) Terms of repayment of term loans and other loans should be stated.
- d) Loans, if any, should also be classified on the basis of due date into the following categories:
 - (a) Loans repayable within 12 months
 - (b) Loans repayable within 1 to 5 years
 - (c) Loans repayable after 5 years
- e) Interest free loans should be disclosed separately from interest bearing loans, interest accrued and due on loans should be included under appropriate sub-head.
- f) Nature of security should be specified separately in each case.

SCHEDULE 6 – CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS

- a) Current Liabilities should be classified and disclosed separately as:
 - 1. Creditors
 - 2. Statutory Liabilities
 - 3. Interest accrued but not due on borrowings
 - 4. Expenses Payable
 - 5. Other Current Liabilities (specify)

b) Provisions should be classified and disclosed as follows:

For retirement benefits

Others (specify)

c) Where any item constitutes ten percent or more of the total current liabilities and provisions, the nature and amount of such items may be shown separately and may not be included under the head 'Others'

SCHEDULE 7 – FIXED ASSETS

Under this head, classification and disclosures should be as follows:

Tangible assets	
Land	Includes freehold land and leasehold land.
Buildings	Include office and other buildings, residential buildings, school and college buildings, hospital buildings, public buildings, temporary structures and sheds.
Plant and machinery	Include air conditioners, generator sets, television sets, fire extinguishers, etc.
Vehicles	Include buses, lorries, vans, cars, scooters, etc.
Office equipments	Include such items as fax machines, photocopiers, EPABX, typewriters, duplicating machines, etc.
Computers/Peripherals	Includes computers, printers and other peripherals like CDs, U.P.S & Software etc.
Furniture fixtures and fittings, and electrical appliances	Furniture includes items such as cabinets, almirahs, tables, chairs and partitions Include electrical fixtures and fittings such as fans, bulbs and tube lights and electrical appliances such as air-conditioners, water and air coolers, etc.
Library Books	In some cases the number of Library Books could be very large or there may be an

	established Library. In such cases these books may be disclosed as a separate category of assets. Library books will include books/journals/information stored in CD ROMs
Capital Work-In-Progress	Fixed assets in the course of construction should be shown against this head till they are ready for their intended use. Plant, machinery and equipment acquired and pending installation should be included here. Advances to suppliers/contractors on capital account should also be included.
Intangible assets	
Intangible assets	Should be classified as computer software purchased, patents, trade marks etc. and should be specified separately.

- a) Fixed assets are those assets which are held with the intention of being used for the purpose of producing or providing services and not held for sale in the normal course.
- b) Under each head, the original cost, the additions thereto and deductions there from during the year, depreciation written off or provided during the year, and the total depreciation written off or provided up to the end of the year should be stated.
- c) The cost of a fixed asset should be determined by adding to the purchase price any attributable costs of bringing it to its working condition for its intended use.
- d) The cost of construction of a fixed asset should be determined by adding to the purchase price of the materials and consumables used, the costs incurred by the Political Party which are attributable to the construction of that asset.
- e) Advance payments to contractors and suppliers should be classified as capital work-in-progress.
- f) Separate disclosure under each of the above heads should be made in respect of donated assets (i.e., assets that have been received free of cost as non-monetary grant/at concessional

value donation by the Political Party and assets financed under a lease agreement.

- g) Fair values of all the donated fixed assets, existing on the Balance Sheet date, should be disclosed in the notes to accounts. If it is not practicable to determine the fair values of the assets on each balance sheet date, then such values may be determined after a suitable interval, say, every three years. In such a case, date of determination of fair values should also be disclosed along with the fair values of assets.
- h) Restrictions, if any, on the utilisation of each asset should also be disclosed in the notes to accounts.

SCHEDULE 8 – INVESTMENTS

- a) The investments should be classified and disclosed under long term investments and current investments.
- b) 'Current Investment' means an investment that is by its nature readily realisable and is intended to be held for not more than one year from the date on which such investment is made.
- c) 'Long-term Investment' means an investment other than a current investment.
- d) Both 'Long-term Investment' & 'Current Investment' should be classified and disclosed as follows:
 - Investment made in Government Securities
 - Other approved Securities
 - Others (to specified)
- e) Long-term investments should be measured at cost. The book value of long-term investments should be reduced to recognise a decline, other than temporary, in their value. Such reduction should be determined and made for each investment individually.

- f) Aggregate amount of the Political Party's long-term quoted investments and also the market value thereof should be shown. Aggregate amount of the Political Party's unquoted investments should also be shown.
- g) 'Quoted investment' for this purpose, means an investment in respect of which a quotation or permission to deal on a recognised stock exchange has been granted, and the expression 'unquoted investment' should be construed accordingly.
- h) Current investments should be shown at the lower of cost and fair value, which should be determined either on an individual investment basis or by category of investment.
- i) The significant restrictions on the right of ownership, realisability of investment should be disclosed by way of notes.

SCHEDULE 9 – CURRENT ASSETS

- a) If the net realisable value of any current asset, except items held for distributing either free of cost or at a nominal amount, is lower than its book value, the amount to be included in respect of that asset should be the net realisable value.
- b) The current assets should be classified and disclosed as follows:
 - 1. Inventories: Include items that are held in the normal course, or in the form of materials or supplies to be consumed.
 - Mode of valuation of the Inventories should be disclosed.
 - 2. Receivables should be classified and disclosed as:
 - Grants/Donations/ Contributions in respect of which, there is a reasonable assurance that (i) the entity will comply with the conditions attached, and (ii) the donation/ grants will be received.

- Others (specify)
 - Any debts due by the employees of the entity should be separately stated.
3. Balances with Banks & Post office should be shown as follows:
- With Scheduled Banks
 - With Non-scheduled Banks
 - With Post Office
 - Particulars should be given of balances lying on current account, call accounts and deposit accounts should be given.
 - Bank deposits with more than 12 months maturity should be disclosed separately.
 - Where any deposit accounts are pledged or charged as security or are encumbered, the fact should be disclosed.
 - Overdue/matured deposits should be separately disclosed.
4. Cash and Cash equivalents should be classified as cash on hand, cheques and drafts on hand, balance with banks and others (specify) and disclosed accordingly.
5. Other current assets should be classified and disclosed as follows:
- 'Other current assets' is an all-inclusive heading, which incorporates current assets that do not fit into any other asset categories.
 - Interest accrued on investments should be included under this head.

- Where any item constitutes ten percent or more of the total or more of the total current assets, the nature and amount of such items may be shown separately.

SCHEDULE 10 – LOANS, ADVANCES & DEPOSITS

- a) These should be classified and disclosed as follows:
 1. Loans & advances to-
 - Staff (interest bearing and non-interest bearing should be shown separately)
 - Others (includes (i) other amounts recoverable in cash or kind for value to be received, and (ii) prepaid expenses)
 2. Deposits (other than with bank) such as for telephone and electricity etc.
 3. Others (specify)
- b) Where any item constitutes ten percent or more of total loans, advances and deposits, the nature and amount of such item may be shown separately and the same may not be included under the head Others

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT

1. The Income and Expenditure Account should disclose every material feature and should be so made out as to clearly disclose the result of the working of the Political Party during the period covered by the account.
2. Donations and grants should be recognised only at a stage when there is a reasonable assurance that the Political Party will comply with the conditions attached, and the donations and grants will be received.
3. Any item under which income/expense exceed one percent of annual gross revenue of the Political Party or Rs. 50,000/- whichever is higher should be shown as a separate and distinct item against an appropriate account head in the Income and Expenditure Account. These items, therefore should not be shown under the head miscellaneous and other income/expense.
4. Depreciation should be provided so as to charge the depreciable amount of a depreciable asset over its useful life. As the matter of guidance, Schedule XIV to the Companies Act, 1956, may be followed for rate(s) of depreciation.
5. An Political Party should disclose the following additional information by way of notes:
 - a) Fair value and quantitative details of the services rendered by volunteers/ members for which no payment has been made (wherever practicable).
 - b) Net gain/loss on foreign currency transaction.
 - c) Details of items of exceptional and extraordinary nature.
 - d) Prior period items.

SCHEDULE 11 – FEES & SUBSCRIPTIONS

- a) This should be classified and disclosed as follows:
 - 1. Entrance Fees
 - 2. Annual Fees/Subscriptions from members
 - 3. Subscriptions for Publications (if any)
 - 4. Others (Specify)
- b) In case the fees like entrance fee, subscriptions etc. are in the nature of capital receipts, such amount should be recognised to the Corpus Fund. Otherwise such fees will be incorporated in this schedule.

SCHEDULE 12 – GRANTS/DONATIONS/CONTRIBUTIONS

The grants/donations/contributions received should be classified and disclosed as follows:

- a. Individual donors
- b. Companies/Organisations
- c. Institutions/Welfare Bodies
- d. Others (Specify)

SCHEDULE 13 – COLLECTION FROM ISSUANCE OF COUPONS/ SALE OF PUBLICATIONS

Income under this head should be classified and disclosed as follows:

- a. Revenue from issuance of Coupons of different denominations should be disclosed separately.
- b. Revenue from sale of publications of the party (if any) should be disclosed.

SCHEDULE 14 – OTHER INCOME

Other incomes should be classified and disclosed as follows:

- a. Interest earned on government securities, bonds & debentures, deposits with scheduled & non-scheduled banks, saving accounts and loans & advances given to employees or others etc.
- b. Income from investments in mutual funds etc.
- c. Profit on sale of investments
- d. Profit on sale of fixed assets
- e. Rent received
- f. Other miscellaneous income
- g. Items of material amounts included in miscellaneous income should be separately disclosed.

SCHEDULE 15 – ELECTION EXPENDITURE

These should be classified and disclosed as follows:

- a. Publicity expenses:

Printed Material, like manifestos, pamphlets, posters, handbills, etc.

Electronic Media(including hiring time slots, etc., in TV channels)

Making & distribution of video films

Making & distribution of audio CDs

Advertising in newspapers, magazines, souvenirs, etc.

Cut-out, hoarding banners, flags, arches, gates etc.

Others (specify)

- b. Travel expenses of leaders & workers:

Aircrafts/Helicopters

Others

- c. Other expenses:

Boarding & lodging expenses

Public Meetings

Other Misc. (specify)

SCHEDULE 16 – EMPLOYEE COSTS

These should be classified and disclosed as follows:

- a. Salaries and Wages
- b. Allowances and Bonus
- c. Contribution to Provident and other Funds
- d. Employees Retirement and Terminal Benefits
- e. Others (specify)

SCHEDULE 17 – ADMINISTRATIVE AND GENERAL EXPENSES

These should be classified and disclosed as follows:

- a. Rents
- b. Rates and taxes
- c. Communication expenses
- d. Printing & stationery
- e. Electricity

- f. Travelling & conveyance expenses
- g. Insurance charges
- h. Remuneration to auditors
- i. Professional Charges
- j. Repair & Maintenance of Building, Furniture & Fixture, Plant & Machinery etc.
- k. Others (specify)

SCHEDULE 18 – FINANCE COSTS

Finance cost should be classified and disclosed as follows:

- a. Interest on fixed loans
- b. Interest on other loans
- c. Bank charges
- d. Others (specify)

SCHEDULE 19 – OTHER EXPENSES

Other expenses should be classified as write offs, provisions, miscellaneous expenses, loss on sale of investments and fixed assets etc. and disclosed as accordingly.

SCHEDULE 20 – SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

Political Parties should disclose their significant accounting policies and this disclosure should be made at one place.

Where an Political Party has followed a basis of accounting other than accrual, a disclosure in this regard should be made. An illustrative list of accounting policies that a Political Party could disclose is as follows:

- a. The bases of recognition of major types of expenses and revenue

- b. Accounting for income from and expenditure on specialised activities such as welfare programmes
- c. Conversion or translation of foreign currency (in case of organisations receiving foreign funds)
- d. Method(s) of depreciation
- e. Valuation of inventories
- f. Valuation of investments
- g. Treatment of employee benefits
- h. Valuation of fixed assets
- i. Treatment of contingent liabilities

SCHEDULE 21 – NOTES ON ACCOUNTS

- a. Significant contributions/donations/collection from issuance of coupons exceeding Rs. 5,00,000/- to any individual or any other party should be disclosed with names.
- b. Donation received from outside India should be disclosed with names.
- c. Penalties on electoral officers alongwith the material electoral officers should be disclosed.

Appendix III

Illustrative Format of Auditor's Report on the Financial Statements of a Political Party

Auditor's Report

To

The President/Chief (or equivalent),
Name of the Political Party

We have audited the attached Balance Sheet of (name of the Political Party), as at 31st March 2XXX, and also the Income and Expenditure Account and the Cash Flow Statement for the year ended on that date annexed thereto. These financial statements are the responsibility of the Political Party's management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

We conducted our audit in accordance with the auditing standards generally accepted in India. Those Standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free of material misstatement. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall financial statements presentation. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

Further, we report that:

- (i) We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purposes of our audit;
- (ii) In our opinion, proper books of account have been kept by the Political Party so far as appears from our examination of those books (and proper returns adequate for the purposes of our audit have been received from the branches not visited by us);

- (iii) The Balance Sheet, Income and Expenditure Account and Cash Flow Statement dealt with by this report are in agreement with the books of account.
- (iv) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said accounts give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India:
- a) in the case of the Balance Sheet, of the state of affairs of the Political party as at 31st March 2XXX;
 - b) in the case of the Income and Expenditure Account, of the Surplus/Deficit year ended on that date; and
 - c) in the case of the Cash Flow Statement, of the cash flows for the year ended on that date.

For ABC & Co.
Chartered Accountants

Signatures
(Name of the Member Signing the Audit Report)
Membership Number

Place of Signature

Date

भारत निर्वाचन आयोग

निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली-110001

सं: 76/ ईई / 2012-पीपीईएमएस

दिनांक: 21 जनवरी, 2013

सेवा में,

अध्यक्ष / महासचिव
(सभी राजनैतिक दल)

विषय:- राजनैतिक दलों द्वारा “निर्वाचन व्यय की विवरणी” फाइल करने के लिए प्रपत्र का आशोधन-विधान सभा निर्वाचनों के 75 दिनों लोक सभा निर्वाचनों के 90 दिनों के अंदर फाइल किया जाएगा।

महोदय,

1. मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि माननीय उच्चतम न्यायालय के निदेशानुसार 'कॉमन कॉज़' बनाम भारत संघ एवं अन्य (ए.आई.आर 1996 एस सी 3081) के मामले में निर्वाचन आयोग ने अपने दिनांक 27.12.2001, 22.03.2004 तथा 13.01.2009 के पत्र द्वारा एक फार्मा निर्धारित किया है जिसमें राजनैतिक दलों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे प्रत्येक लोक सभा / राज्य विधान सभा के निर्वाचन के संबंध में अपने निर्वाचन व्यय का विवरण आयोग की संवीक्षा के लिए प्रस्तुत करें। राजनैतिक दलों द्वारा फाइल किए गए विवरण को आयोग की वेबसाइट पर रखा जाता है।
2. इसके अतिरिक्त मुझे यह सूचित करने का भी निदेश हुआ है कि सुसंगत सूचना पर और सुव्यवस्थित तथा संरचनाबद्ध तरीके से कार्यवाही करने के लिए आयोग द्वारा एक सॉफ्टवेयर का विकास किया जा रहा है। अतः, आयोग ने उक्त प्रपत्र में आशोधन किया है जो कि एतद्वारा संलग्न किया जा रहा है तथा आयोग की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। उपर्युक्त आशोधित प्रपत्र पार्ट-क में पार्टी के केंद्रीय मुख्यालय पर व्यय के संबंध में सूचना उपलब्ध करवाता है, पार्टी के अथवा राज्य दलों (जिलों / स्थानीय इकाईयों सहित) द्वारा राज्य इकाई(ईयों) पर सूचना भाग-ख में, सूचना का सार भाग 'ग' और भाग 'घ' में सत्यापन संबंधी सूचना उपलब्ध कराता है। व्यय के ब्यौरे प्रपत्र के अनुसार अनुसूचियों में उपलब्ध करवाए जाएंगे। संशोधित प्रपत्र में बेहतर स्पष्टता तथा जिम्मेवारी के लिए साधारण पार्टी प्रचार के लिए राजनैतिक दलों के खर्चें तथा अभ्यर्थियों के नामे डाले जाने वाले खर्चों का भी द्विभाजन किया गया है।

3. दलों या उनके द्वारा खड़े किए गए अभ्यर्थियों द्वारा अधिकृत/उपगत व्ययों की संवीक्षा हेतु अपेक्षित सूचना मांगी गई है जिसके लिए उन्होंने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 77(1) के स्पष्टीकरण (1) के अर्थों में, निर्वाचन व्ययों की अपनी विवरणी, जो कि उक्त अधिनियम की धारा 78 के अधीन फाइल की गई थी, में छूट का दावा किया था।
4. मुझे सभी राजनैतिक दलों को यह सूचित करने का भी निदेश हुआ है कि वे 01 जनवरी, 2013 के पश्चात होने वाले सभी निर्वाचनों के लिए इस संशोधित प्रपत्र में ही "निर्वाचन व्यय का विवरण" हाई प्रति और सी डी में सॉफ्ट प्रति में फाइल करेंगे।
5. इसे सभी संबंधितों के संज्ञान में लाया जाए और इस पत्र की पावती भेजें।

भवदीय,
ह./-
(वरिंदर कुमार)
सचिव

संलग्नक:- उपर्युक्त के अनुसार

प्रतिलिपि: - सभी मुख्य निर्वाचन अधिकारी इसे राज्य में सभी राजनैतिक दलों की सूचना में लाएं,
- सभी जिला निर्वाचन अधिकारी
- सभी रिटर्निंग अधिकारी

लोकसभा/विधान सभा के निर्वाचनों में राजनैतिक दल के निर्वाचन व्यय का विवरण

(निर्वाचन की घोषणा की तिथि से निर्वाचन सम्पन्न होने की तिथि तक)

1. राजनैतिक दल का नाम:.....
2. लोकसभा/राज्य के विधान सभा के लिए निर्वाचन.....
(विधान सभा के मामले में राज्य के नाम का उल्लेख करें तथा जो संगत ना हो उसे काट दें)
3. निर्वाचन की घोषणा की तिथि.....
4. निर्वाचन सम्पन्न होने की तिथि.....

भाग-क

5. दल के केंद्रीय मुख्यालयों में उपगत/प्राधिकृत निर्वाचन व्यय का विवरण

5.1	क. दल के केंद्रीय मुख्यालयों में दल की निधियों का अथ-शेष' (ओपनिंग बैलेंस) (निर्वाचन की घोषणा की तिथि को)	राशि
	विवरण	राशि
	(i) रोकड़ शेष	
	(ii) बैंक शेष (कृपया बैंक तथा शाखा का नाम दर्शाएँ)	
	कुल	
5.2	ख. निर्वाचन की घोषणा से निर्वाचन सम्पन्न होने की तिथि तक दल के केंद्रीय मुख्यालयों के सभी स्त्रोंतों से सकल प्राप्तियाँ	राशि
	विवरण	धनराशि
	(i) नकद	
	(ii) बैंक अथवा ड्राफ्ट इत्यादि	
	(iii) वस्तुगत रूप में (किसी व्यक्ति/संस्था से प्राप्त मानार्थ वस्तुएँ अथवा सेवाएँ) (कृपया किसी व्यक्ति/संस्था से मानार्थ रूप में प्राप्त ऐसी वस्तुएँ अथवा सेवाएँ जैसे-हैलीकॉप्टर सेवाएँ इत्यादि का विवरण तथा कल्पित मूल्य का उल्लेख करें)	
	कुल	
5.3	क. निर्वाचन की घोषणा से निर्वाचन सम्पन्न होने की तिथि तक दल के केंद्रीय मुख्यालयों द्वारा सामान्य दल प्रचार के लिए उपगत/प्राधिकृत सकल व्यय (यदि एक से अधिक राज्यशामिल हों, तो दल के केंद्रीय मुख्यालयों द्वारा उपगत राज्यवार एकल व्ययों को अनुसूची-1 में दिया जाए)	
	दल के केंद्रीय मुख्यालयों द्वारा सकल व्यय का विवरण	राशि
	(i) नकद	
	(ii) बैंक/ड्राफ्ट इत्यादि	
	(iii) प्राधिकृत व्यय, परन्तु निर्वाचन के सम्पन्न होने की तिथि को बकाया रह जाना	
	कुल	
	ख. दल के केंद्रीय मुख्यालयों द्वारा उपगत/प्राधिकृत उपरोक्त सामान्य दल प्रचार व्यय का विवरण	राशि
	(i) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 77 के स्पष्टीकरण 1 में यथा विनिर्दिष्ट स्टार प्रचारकों का यात्रा व्यय (अनुसूची-2 में दिए गए फार्मेट में विवरणों को संलग्न किया जाए)	
	(ii) स्टार प्रचारकों के अलावा अन्य नेताओं का यात्रा व्यय (विवरणों को अनुसूची-2क में दिए गए फार्मेट में संलग्न करें)	
	(iii) सामान्य दल प्रचार पर मीडिया विज्ञापन (प्रिंट इलेक्ट्रॉनिक, ब्लक एसएमएस, केबल, वेबसाइट, टी.वी. चैनल इत्यादि) पर व्यय	
	(iv) सामान्य दल प्रचार के लिए पोस्टरों, बैनरों, बैजों, स्टीकरों, आर्ची, गेटों, कट-आउट, होडिंग, झण्डे इत्यादि सहित प्रचार सामग्रियों पर व्यय (विवरणों को अनुसूची-4 में दिए गए फार्मेट में संलग्न करें)	

	(v) सामान्य दल प्रचार के लिए जनसभाओं/जलूसों/रैली इत्यादि पर व्यय (विवरणों को अनुसूची-5 में दिए गए फार्मेट में संलग्न करें)			
	(vi) सामान्य दल प्रचार के लिए कोई अन्य व्यय (विवरणों को अनुसूची-6 में दिए गए फार्मेट में संलग्न करें)			
	सामान्य पार्टी प्रचार पर कुल व्यय			
5.4	क. दल के केंद्रीय मुख्यालयों द्वारा अभ्यर्थी/(अभ्यर्थियों) के लिए उपगत/प्राधिकृत सकल व्यय			
	(i) दल के केंद्रीय मुख्यालयों द्वारा दल के अभ्यर्थी/(अभ्यर्थियों) अथवा अन्य अभ्यर्थी/(अभ्यर्थियों) को या तो नकद अथवा अन्य माध्यमों जैसे-चेक/डीडी/पी.ओ./आरटीजीएस/फंड ट्रान्सफर इत्यादि के द्वारा कुल एकमुश्त राशि का भुगतान। (विवरणों को अनुसूची-7 में दिए गए फार्मेट में संलग्न करें)			
	(ii) अभ्यर्थी (अभ्यर्थियों) विशेष के फोटो या नाम सहित मीडिया विज्ञापन (प्रिंट तथा इलेक्ट्रॉनिक, बल्क एसएमएस, केबल, वेबसाइट, टीवी चैनल इत्यादि पर अथवा अभ्यर्थी (अभ्यर्थियों) के निर्वाचन व्यय के रूप में आरोप्य कुल व्यय। (विवरणों को अनुसूची 8 में दिए गए फार्मेट में संलग्न करें)			
	(iii) अभ्यर्थी (अभ्यर्थियों) के फोटो तथा /अथवा नाम सहित प्रचार सामग्री (जैसे पोस्टरों, बैनरों, निर्वाचन सामग्रियों इत्यादि) पर कुल व्यय (विवरणों को अनुसूची-9 में दिए गए फार्मेट में संलग्न करें)			
	(iv) स्टार प्रचारकों अथवा अभ्यर्थी (अभ्यर्थियों) सहित अन्य नेताओं की रैली में जनसभाओं/जलूसों इत्यादि (बैरीकेडों/ ऑडियो इत्यादि/श्रोताओं/समर्थकों के लिए भाड़े लिए गए वाहनों) पर कुल व्यय (सामान्य दल प्रचार के अलावा) (विवरणों को अनुसूची-10 में दिए गए फार्मेट में संलग्न करें)			
	(v) अभ्यर्थी (अभ्यर्थियों) के लिए कोई अन्य व्यय (विवरणों को अनुसूची-11 में दिए गए फार्मेट में संलग्न करें)			
	(vi) दल के केन्द्रीय मुख्यालय द्वारा अभ्यर्थियों की आपराधिक पृष्ठभूमि को प्रकाशित करने पर उपगत व्यय (विवरण अनुसूची-23क में दिए गए फार्मेट में संलग्न किए जाएं)			
	(vii) दल के केंद्रीय मुख्यालय द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफार्मा/ऐप/अन्य साधनों के माध्यम से वर्चुअल प्रचार-अभियान पर व्यय (विवरण अनुसूची 24क में दिए गए फार्मेट में संलग्न किया जाए)			
	अभ्यर्थी(अभ्यर्थियों) पर कुल व्यय			
5.5	निर्वाचन व्यय के लिए दल (जिले एवं स्थानीय निकायों सहित) की राज्य इकाई (इकाईयों) अथवा अन्य दल को दल के केंद्रीय मुख्यालयों द्वारा दी गई कुल एक मुश्त राशि (कृपया राज्यवार राशि दर्शाये)। यदि राजनैतिक दल एक या एक से अधिक अवसर पर भुगतान करता है, तो तिथिवार विवरणों का उल्लेख किया जाए।			
	दल की राज्य इकाई का नाम जिसे भुगतान किया गया है/अन्य राजनैतिक दल (यदि कोई हो)	भुगतान की तारीख (खें)	नकद चेक/ डीडी इत्यादि की संख्या	राशि
	1.			
	2.			
	3. इत्यादि			
	कुल			
5.6	क. निर्वाचन सम्पन्न होने पर दल के केंद्रीय मुख्यालयों में दल की निधियों का अंतः शेष (क्लोजिंग बैलेंस)			धनराशि
	विवरण			धनराशि
	(i) रोकड़ शेष			
	(ii) बैंक शेष (कृपया बैंक तथा शाखा के नाम का उल्लेख करें)			
	कुल			

भाग-ख

6. राज्य के लिए सभी जिला स्तर तथा स्थानीय निकायों सहित राजनैतिक दल की राज्य इकाई द्वारा अथवा राज्यीय दल के मुख्यालय द्वारा उपगत/प्राधिकृत निर्वाचन व्यय का विवरण

- I. यदि राजनैतिक दल एक या एक से अधिक राज्य में निर्वाचन व्ययों को उपगत/ प्राधिकृत करता है, तो प्रत्येक राज्य का ब्यौरा इस प्रोफार्मा के अनुसार अलग शीट में दिया जाए,
- II. राज्य के भीतर मुख्यालयों वाले राज्यीय राजनैतिक दल इस प्रोफार्मा में रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

6.1	क. राज्य इकाई (जिला स्तर की इकाईयों तथा स्थानीय इकाईयों सहित) की अथ शेष राशि (ओपनिंग बैलेंस) (निर्वाचन की घोषणा की तिथि को) विवरण	राशि
	विवरण	राशि
	(i) रोकड़ शेष	
	(ii) बैंक शेष (कृपया बैंक तथा शाखा के नाम का उल्लेख करें)	
	कुल	
6.2	क. राज्य इकाई द्वारा निर्वाचन की घोषणा की तिथि से निर्वाचन सम्पन्न होने की तिथि तक सभी स्रोतों से सकल प्राप्तियाँ (जिला स्तर की इकाईयों तथा स्थानीय इकाईयों सहित)	
	विवरण	राशि
	(i) नकद	
	(ii) बैंक अथवा ड्राफ्ट आदि	
	(iii) वस्तुगत रूप में (किसी भी व्यक्ति/संस्था से प्राप्त मानार्थ वस्तुएँ अथवासेवाएँ) (कृपया किसी भी व्यक्ति /संस्था से मानार्थ रूप में प्राप्त ऐसी वस्तुएँ अथवा सेवाएँ जैसे हैलीकॉप्टर सेवाएँ आदि के कल्पित मूल्य का उल्लेख करें)	
कुल		
6.3	क. सामान्य दल प्रचार (निर्वाचन के घोषणा की तिथि से निर्वाचन सम्पन्न होने की तिथि तक) के लिए राज्य इकाई (जिला स्तर की इकाईयों तथा स्थानीय इकाईयों)द्वारा उपगत/प्राधिकृत कुल व्यय।	
	राज्य इकाई द्वारा सकल व्यय का विवरण	राशि
	(i) नकद	
	(ii) बैंक अथवा ड्राफ्ट आदि	
	(iii) व्यय प्राधिकृत, परन्तु निर्वाचन सम्पन्न होने की तिथि पर बकाया रह जाना	
कुल		
	ख. राज्य इकाई (जिला स्तर की इकाईयों तथा स्थानीय इकाईयों सहित) द्वारा उपगत सामान्य दल प्रचार के लिए व्यय का विवरण	
	(i) राज्य इकाई द्वारा उपगत स्टार प्रचारकों पर यात्रा व्यय (विवरणों को अनुसूची-12 में दिए गए फार्मेट में संलग्न करें)	
	(ii) राज्य इकाई द्वारा अन्य नेताओं पर यात्रा व्यय (विवरणों को अनुसूची-13 में दिए गए फार्मेट में संलग्न करें)	
	(iii) राज्य इकाई द्वारा सामान्य दल प्रचार पर मीडिया विज्ञापन (प्रिन्ट तथा इलेक्ट्रॉनिक, ब्लक एसएमएस, केबल, वेबसाइट तथा टीवी चैनल इत्यादि) पर व्यय । (विवरणों को अनुसूची-14 में दिए गए फार्मेट में संलग्न करें)	
	(iv) राज्य इकाई द्वारा सामान्य दल प्रचार के लिए पोस्टरों, बैनरों, बैज, स्टीकरों, आर्चेज, गेट, कट-आउट, हॉर्डिंग्स, झण्डे इत्यादि सहित प्रचार सामग्रियों पर व्यय । (विवरणों को अनुसूची-15 में दिए गए फार्मेट में संलग्न करें)	
	(v) राज्य इकाई द्वारा सामान्य दल प्रचार के लिए जन सभाओं / जलूसों / रैलीइत्यादि पर व्यय (विवरणों को अनुसूची-16 में दिए गए फार्मेट में संलग्न करें)	
	(vi) राज्य इकाई द्वारा सामान्य दल प्रचार के लिए कोई अन्य व्यय । (विवरणों को अनुसूची-17 में दिए गए फार्मेट में पृष्ठांकित करें)	
	कुल	
6.4	क. अभ्यर्थी (अभ्यर्थियों) (सामान्य दल प्रचार के अतिरिक्त) को आरोप्य जिला स्तर की इकाईयों तथा स्थानीय इकाईयों सहित अभ्यर्थी (अभ्यर्थियों) के लिए राज्य इकाई द्वारा उपगत या प्राधिकृत सकल व्यय	

	(i) राज्य इकाई द्वारा दल के अभ्यर्थी (अभ्यर्थियों) अथवा अभ्यर्थी (अभ्यर्थियों) को नकदी या अन्य माध्यमों, यथा-चेक/डीडी/पीओ/आरटीजीएस/फण्ड ट्रान्सफर इत्यादि द्वारा कुल एकमुश्त भुगतान। (विवरणों को अनुसूची-18 में दिए गए फार्मेट में संलग्न करें)			
	(ii) राज्य इकाई द्वारा अभ्यर्थी (अभ्यर्थियों) के फोटो या नाम सहित अभ्यर्थी (अभ्यर्थियों) के लिए मीडिया विज्ञापन (प्रिन्ट तथा इलेक्ट्रॉनिक बल्क एसएमएस, केबल, वेबसाइट, टीवी चैनल इत्यादि) पर कुल व्यय। (विवरणों को अनुसूची-19 में दिए गए फार्मेट में संलग्न करें)			
	(iii) राज्य इकाई द्वारा अभ्यर्थी (अभ्यर्थियों) के फोटो तथा/अथवा नाम सहित प्रचार सामग्री (जैसे पोस्टरों, बैनरों, कट-आउटों, निर्वाचन सामग्री इत्यादि) पर कुल व्यय (विवरणों को अनुसूची-20 में दिए गए फार्मेट में संलग्न करें)			
	(iv) अभ्यर्थी (अभ्यर्थियों) के साथ स्टार प्रचारकों की रैली में बैरिकेडों/ ऑडियोआदि/दर्शकों/समर्थकों के लिए किराए पर लिए गए वाहनों पर राज्य इकाई द्वारा कुल व्यय (सामान्य दल प्रचार के अतिरिक्त) (विवरणों को अनुसूची-21 में दिए गए फार्मेट में संलग्न करें)			
	(v) राज्य इकाई द्वारा अभ्यर्थी (अभ्यर्थियों) के लिए कोई अन्य व्यय (विवरणों को अनुसूची-22 में दिए गए फार्मेट में संलग्न करें)			
	(vi) राज्य इकाई द्वारा अभ्यर्थी (यों) की आपराधिक पृष्ठभूमि को प्रकाशित करने पर उपगत व्यय (विवरण अनुसूची-23 में दिए गए फार्मेट में संलग्न किए जाएं)			
	(vii) राज्य इकाई द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफार्मा/ऐप/अन्य साधनों के माध्यम से वर्चुअल प्रचार-अभियान पर व्यय (विवरण अनुसूची 24 में दिए गए फार्मेट में संलग्न किया जाए)			
	अभ्यर्थी (अभ्यर्थियों) पर कुल व्यय			
6.5	दल की राज्य इकाई (जिले तथा स्थानीय इकाईयों सहित) द्वारा निर्वाचन व्यय के लिए दूसरे दल (दलों) को दी गई कुल एक मुश्त राशि। यदि राजनैतिक दल एक या एक से अधिक अवसर पर भुगतान करते हैं, तो तिथिवार विवरणों का उल्लेख करना है।	राशि		
	दल की राज्य इकाई का नाम जिसे भुगतान किया गया है/अन्य, राजनैतिक दल (यदि कोई हों) का नाम	भुगतान की तिथि (तिथियाँ)	नकद, चेक / डीडी इत्यादि की संख्या	धनराशि
	1.			
	2.			
	3. इत्यादि			
	कुल			
6.6	निर्वाचन सम्पन्न होने के पश्चात दल की राज्य इकाई (जिले एवं स्थानीय इकाईयों सहित) का अंतः शेष			राशि
	विवरण			राशि
	(i) रोकड़ शेष			
	(ii) बैंक शेष (कृपया बैंक तथा शाखा के नाम का उल्लेख करें)			
	कुल			

भाग-ग

7. भाग-क तथा ख में सारणियों में यथोल्लिखित, सभी प्राप्तियों तथा निर्वाचन के दौरान (निर्वाचन के घोषणा की तिथि से निर्वाचन सम्पन्न होने तक) राजनैतिक दल द्वारा उपगत/प्राधिकृत व्यय का सार

क	दल का नाम	
ख	मतदान की तिथि (तिथियां)	
ग	निर्वाचन: (राज्य तथा विधान सभा /लोक सभा /निर्वाचन क्षेत्र के नाम का उल्लेख करें)	
घ	अथ शेष (पार्टी के केन्द्रीय मुख्यालय तथा राज्य/ जिला/स्थानीय स्तर के इकाईयों सहित सभी के लिए)	
	विवरण	राशि
	(i) रोकड़ शेष {निर्वाचन से संबंधित सभी राज्यों का 5.1क (i)+6.1 क (i)}	

	(ii) बैंक में नकद {निर्वाचन से संबंधित सभी राज्यों का 5.1क (ii)+ 6.1क (ii)}	
ड	निर्वाचन की घोषणा की तिथि से निर्वाचन सम्पन्न होने की तिथि तक सकल प्राप्तियाँ (पार्टी के केन्द्रीय मुख्यालय तथा राज्य/जिला/स्थानीय स्तर की इकाइयाँ, दोनों)	
	विवरण	राशि
	(i) नकद {सभी राज्यों का 5.2क (i) + 6.2 क (i)}	
	(ii) चेक अथवा ड्राफ्ट {सभी राज्यों का 5.2क (ii) + 6.2 क (ii)}	
	(iii) वस्तुगत (अथवा मानार्थ प्राप्तियाँ) {निर्वाचन से संबंधित सभी राज्यों का 5.2क(iii) + 6.2 क (iii)}	
	(iv) कुल प्राप्ति (प्राप्तियाँ)	
च	निर्वाचन की घोषणा की तिथि से निर्वाचन सम्पन्न होने की तिथि तक (केन्द्रीय मुख्यालय तथा राज्य/जिला/स्थानीय स्तर की इकाइयाँ, दोनों में) सामान्य दलप्रचार के लिए उपगत/प्राधिकृत कुल व्यय ।	
	विवरण	राशि
	I. नकद अथवा चेक/डीडी आदि {निर्वाचन से संबंधित सभी राज्यों का 5.3क (i) +6.3 क(i)}	
	II. चेक अथवा ड्राफ्ट {निर्वाचन से संबंधित सभी राज्यों का 5.3क (ii) + 6.3 क (ii)}	
	III. प्राधिकृत व्यय, परन्तु निर्वाचन सम्पन्न होने की तिथि को बकाया रह जाना {निर्वाचन से संबंधित सभी राज्यों का 5.3क (iii) +6.3 क (iii)}	
	IV सामान्य दल प्रचार पर कुल व्यय	
छ	राजनैतिक दल द्वारा सामान्य दल प्रचार के अतिरिक्त अभ्यर्थी (अभ्यर्थियों) के लिए उपगत/प्राधिकृत कुल व्यय(केन्द्रीयमुख्यालय तथा राज्य/जिला/स्थानीय स्तर की इकाइयाँ, दोनों में)	
	विवरण	राशि
	I. नकद अथवा चेक /डीडी आदि द्वारा अभ्यर्थी (अभ्यर्थियों) को भुगतान {5.4क (i) + 6.4 क(i)}	
	II. वस्तुगत रूप में-	
	क. मीडिया को किए गए भुगतान {निर्वाचन से संबंधित सभी राज्यों का 5.4क (ii) +6.4 क(ii)}	
	ख. प्रचार सामग्री {निर्वाचन से संबंधित सभी राज्यों का 5.4क (iii) + 6.4 क(iii)}	
	ग. जन सभाएँ, जलूस आदि {निर्वाचन से संबंधित सभी राज्यों का 5.4क (iv) + 6.4क (iv)}	
	घ. कोई अन्य व्यय {निर्वाचन से संबंधित सभी राज्यों का 5.4क(v) + 6.4क(v)}	
	ङ. आपराधिक पृष्ठभूमि का प्रसार-प्रचार {सभी निर्वाचन संबंधी राज्यों के 5.4क (vi) +6.4क(vi)}	
	III. सोशल मीडिया प्लेटफार्मों/ऐप/अन्य साधनों के माध्यम से वर्चुअल प्रचार-अभियान पर व्यय [निर्वाचन वाले सभी संबंधित राज्यों का 5.4.क(vii)+6.4.क.(vii)]	
IV अभ्यर्थी (अभ्यर्थियों) का कुल व्यय		
ज	सामान्य दल प्रचार के लिए तथा अभ्यर्थी (अभ्यर्थियों) के लिए सकल व्यय (इस सारणी के ऊपर के च(iv) + छ(iv) का कुल जोड़)	
झ	अंत शेष (पार्टी के केन्द्रीय मुख्यालय तथा राज्य/जिला/स्थानीय स्तर की इकाइयाँ; दोनों में)	
	विवरण	राशि
	क. रोकड़ शेष {निर्वाचन से संबंधित सभी राज्यों का 5.6क(i) + 6.6क(i)}	
	ख. बैंक शेष {निर्वाचन से संबंधित सभी राज्यों का 5.6क(ii) + 6.6क (ii)}	
	ग. कुल अंत शेष (क्लोजिंग बैलेंस)	

भाग-घ
सत्यापन

में, श्री/श्रीमती.....एतद्वारा सत्यापित एवं घोषित करता/करती हूँ कि निर्वाचन व्यय (भाग क, ख, ग) की विवरणी में यथादर्शित निर्वाचन व्यय के लेखों में लोकसभा/.....राज्य विधान सभा के साधारण निर्वाचनों/उप-निर्वाचनों के संबंध में राजनैतिक दल {पार्टी के केन्द्रीय मुख्यालयों/राज्य इकाई (जिला स्तर तथा स्थानीय इकाईयों सहित)} द्वारा उपगत/प्राधिकृत निर्वाचन व्यय की सभी मदें शामिल हैं तथा उनमें से कुछ भी छिपाया अथवा रोका/दबाया नहीं गया है; तथा

निर्वाचन व्यय की उक्त विवरणी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान एवं विश्वास के अनुसार सत्य एवं सही लेखा है तथा किसी भी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया नहीं गया है।

दिनांक

कोषाध्यक्ष अथवा प्राधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर
एवं मुहर

प्रति हस्ताक्षरित

पार्टी के अध्यक्ष/महासचिव
के हस्ताक्षर

लेखा परीक्षक द्वारा प्रमाणित

लेखापरीक्षक के हस्ताक्षर
एवं मुहर

*जो लागू न हो, उसे काट दें।

पार्टी के केन्द्रीय मुख्यालयों द्वारा व्यय

अनुसूची-1					
निर्वाचन की घोषणा की तारीख से निर्वाचन की समाप्ति की तारीख तक साधारण पार्टी प्रचार के लिए पार्टी के केन्द्रीय मुख्यालय द्वारा अधिकृत/उपगत राज्य-वार सकल व्यय का ब्यौरा					
क्रम सं.	राज्य का नाम	नकद	चेक इत्यादि	अधिकृत व्यय, परंतु जो निर्वाचन की समाप्ति की तारीख को बकाया रह गया	कुल
1					
2					
3					
कुल					

अनुसूची-2						
पार्टी के केन्द्रीय मुख्यालय द्वारा अधिकृत/उपगत स्टार प्रचारक (कों) का यात्रा व्यय						
क्रम सं.	राज्य और स्थल	बैठक की तारीख	स्टार प्रचारक का नाम	यात्रा का प्रकार (टैक्सी, हेलीकॉप्टर, विमान आदि)	हेलीकॉप्टर या विमान के मामलें में आदाता का नाम	कुल राशि (बकाया राशि सहित)
1						
2						
कुल						

अनुसूची-2क						
पार्टी के केन्द्रीय मुख्यालय द्वारा अधिकृत/उपगत (घोषणा के पश्चात तथा नामांकन से पहले वाले व्यय सहित) अन्य नेता(ओं) के यात्रा व्यय						
क्रम सं.	राज्य और स्थल	बैठक की तारीख	नेता का नाम	यात्रा का प्रकार (टैक्सी, हेलीकॉप्टर, विमान आदि)	हेलीकॉप्टर या विमान के मामलें में आदाता का नाम	कुल राशि (बकाया राशि सहित)
1						
2						
कुल						

अनुसूची -3						
पार्टी के केन्द्रीय मुख्यालय द्वारा अधिकृत/उपगत पार्टी के सामान्य प्रचार-अभियान (प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक, बल्क एसएमएस, केबल, वेबसाइट तथा टीवी चैनल इत्यादि) पर व्यय						
क्रम सं.	राज्य	आदाता का नाम	मीडिया का नाम (प्रिंट/इलेक्ट्रॉनिक, एसएमएस/केबल, टीवी चैनल इत्यादि)	प्रिंट/टेलीकास्ट/एसएमएस की तारीख (तारीखें)	कुल राशि (बकाया राशि सहित)	
1						
2						
3						
कुल						

अनुसूची -4				
पार्टी के केन्द्रीय मुख्यालय द्वारा अधिकृत/उपगत साधारण पार्टी प्रचार के लिए पोस्टरों, बैनरों, बिल्लों, स्टिकरों, आर्च, गेट, कट-आउट्स, होर्डिंग, झंडों इत्यादि सहित प्रचार सामग्री पर व्यय				
क्रम सं.	राज्य	विधान सभा/संसदीय निर्वाचन क्षेत्र की संख्या व नाम	मदों के ब्यौरे	कुल राशि (बकाया राशि सहित)

1				
2				
3				
				कुल

अनुसूची -5				
पार्टी के केन्द्रीय मुख्यालय द्वारा अधिकृत/उपगत आम सभाओं/जुलूस/रैली (यथा मंच/ऑडियो/बैरीकेड/वाहन इत्यादि) पर व्यय				
क्रम सं.	राज्य एवं स्थल	बैठक/जुलूस/रैली की तारीख	मदों के ब्यौरे	कुल राशि (बकाया राशि सहित)
1				
2				
3				
				कुल

अनुसूची-6					
पार्टी के केन्द्रीय मुख्यालय द्वारा अधिकृत/उपगत साधारण पार्टी प्रचार के लिए कोई अन्य व्यय					
क्रम सं.	राज्य	प्रयोजन	तारीख	मदों के ब्यौरे	कुल राशि (बकाया राशि सहित)
1					
2					
3					
					कुल

अनुसूची-7						
पार्टी के केन्द्रीय मुख्यालय द्वारा अधिकृत/उपगत पार्टी के अभ्यर्थी (र्थियों) या अन्य अभ्यर्थी (र्थियों), यदि कोई हों, को नकद या अन्य माध्यमों यथा चैक/डी डी/पी ओ/आर टी जी एस/निधि हस्तांतरण इत्यादि द्वारा कुल एकमुश्त भुगतान। यदि राजनैतिक दल एक से अधिक अवसर पर अभ्यर्थी (र्थियों) को भुगतान करता है तो तारीख-वार ब्यौरों का उल्लेख किया जाएगा।						
क्रम सं.	राज्य का नाम विधान सभा/संसदीय निर्वाचन क्षेत्र की संख्या तथा नाम	अभ्यर्थी (अभ्यर्थियों) का नाम तथा पार्टी का नाम	भुगतान की तारीख (खें)	नकद राशि	चक/डीडी संख्या इत्यादि तथा तारीख	भुगतान की गई कुल राशि
1						
2						
3						
						कुल

अनुसूची-8					
अभ्यर्थी (र्थियों) के फोटो या नाम सहित मीडिया विज्ञापन (प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक, बल्क एसएमएस, केबल, वेबसाइट, टीवी चैनल इत्यादि) पर कुल व्यय अथवा इस प्रकार के ऐसे व्यय जिन्हें पार्टी के केन्द्रीय मुख्यालयों द्वारा अधिकृत/उपगत किसी/किन्हीं अभ्यर्थी (र्थियों) के नामे डाला जा सकता है					
क्रम सं.	राज्य	अभ्यर्थी (अभ्यर्थियों) का नाम	मीडिया का नाम (प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक/एसएमएस, केबल, टीवी इत्यादि)	प्रिंट/प्रसारण/एसएमएस की तिथि/यां	कुल राशि (बकाया राशि सहित)
1					
2					
3					
					कुल

अनुसूची -9				
अभ्यर्थी (थियों) के फोटो या नाम सहित प्रचार सामग्री (यथा पोस्टर, बैनर्स, निर्वाचन सामग्री इत्यादि) पर कुल व्यय अथवा इस प्रकार के ऐसे कुल व्यय जिन्हें पार्टी के केन्द्रीय मुख्यालयों द्वारा अधिकृत / उपगत हों, एवं उन्हें किसी, अभ्यर्थी (थियों) के नामें डाला जा सकता हो।				
क्रम सं.	राज्य/विधान सभा/संसदीय निर्वाचन क्षेत्र की संख्या एवं नाम	अभ्यर्थी (अभ्यर्थियों) का नाम	मदों के ब्यौरे	कुल राशि (बकाया राशि सहित)
1				
2				
				कुल

अनुसूची -10					
पार्टी के केन्द्रीय मुख्यालय द्वारा जनसभाओं/जुलूस इत्यादि पर अधिकृत/उपगत कुल व्यय (साधारण पार्टी प्रचारकों के अतिरिक्त) (स्टार-प्रचारकों अथवा अभ्यर्थी (अभ्यर्थियों) के साथ अन्य नेताओं की रैली में दर्शकों/समर्थकों के लिए किराए पर लिए गए वाहन/बैरिकेड/ऑडियो आदि)					
क्रम सं.	राज्य एवं स्थल	स्टार प्रचारकों और अन्य नेता (नेताओं) के नाम अभ्यर्थी (थियों) का नाम	तारीख	व्यय की मदें	कुल राशि (बकाया राशि सहित)
1					
2					
					कुल

अनुसूची -11					
अभ्यर्थी (थियों) के लिए पार्टी के केन्द्रीय मुख्यालय द्वारा अधिकृत/उपगत अन्य कोई व्यय					
क्रम सं.	राज्य	विधान सभा/ संसदीय निर्वाचन क्षेत्र की संख्या व नाम	अभ्यर्थी (अभ्यर्थियों) का नाम	मदों के ब्यौरे	कुल राशि (बकाया राशि सहित)
1					
2					
3					
					कुल

निर्वाचन व्यय के राज्य-वार ब्यौरे

राज्य का नाम.....

अनुसूची-12						
राज्य /जिला / स्थानीय इकाईयों द्वारा अधिकृत /उपगत स्टार प्रचारक(कों) के कुल व्यय						
क्रम सं.	राज्य और स्थल	बैठक की तारीख	स्टार प्रचारक (को) का/के नाम	यात्रा का प्रकार (टैक्सी, हेलीकॉप्टर, एयरक्राफ्ट आदि)	हेलीकॉप्टर, या एयरक्राफ्ट के मामले में आदाता का नाम	कुल राशि (बकाया राशि सहित)
1						
2						
						कुल

अनुसूची-13

राज्य /जिला / स्थानीय इकाईयों द्वारा अधिकृत /उपगत अन्य नेता (ओं) के यात्रा व्यय (घोषणा के पश्चात तथा नामांकन से पहले के व्यय सहित)						
क्रम सं.	राज्य और स्थल	बैठक की तारीख	नेता (ओं) का नाम	यात्रा का प्रकार (टैक्सी, हेलीकाप्टर, विमान आदि)	हेलीकाप्टर या विमान के मामले में आदाता का नाम	कुल राशि (बकाया राशि सहित)
1						
2						
कुल						

अनुसूची -14					
राज्य/जिला/स्थानीय इकाईयों द्वारा अधिकृत /उपगत सामान्य पार्टी प्रचार पर मीडिया विज्ञापन (प्रिंट तथा इलेक्ट्रॉनिक, ब्लक एसएमएस, केबल, वेबसाइट तथा टीवी चैनल इत्यादि) पर व्यय					
क्रम सं.	राज्य	आदाता का नाम	मीडिया का (प्रिंट / इलेक्ट्रॉनिक,एसएमएस / केबल, वेबसाइट, टीवी चैनल इत्यादि) नाम	प्रिंट/ टेलीकास्ट/एसएमएस आदि की तारीख	कुल राशि (बकाया राशि सहित)
1					
2					
कुल					

अनुसूची -15				
राज्य /जिला / स्थानीय इकाईयों द्वारा अधिकृत /उपगत सामान्य पार्टी प्रचार के लिए पोस्टरों, बैनरों, बिल्लों, स्टिकरों, आर्च, गेट, कट-आउट्स, होर्डिंग, झंडों इत्यादि सहित प्रचार सामग्री पर व्यय				
क्रम सं.	राज्य	विधान सभा/ संसदीय निर्वाचन क्षेत्र की संख्या व नाम	मदों के ब्यौरे	कुल राशि (बकाया राशि सहित)
1				
2				
3				
कुल				

अनुसूची -16				
राज्य /जिला / स्थानीय इकाईयों द्वारा अधिकृत /उपगत लोक बैठकों / जुलूस / रैली (यथा मंच / ऑडियो / बैरीकेड / वाहन इत्यादि) पर व्यय				
क्रम सं.	राज्य एवं स्थल	बैठक/जुलूस/रैली की तारीख	मदों के ब्यौरे	कुल राशि (बकाया राशि सहित)
1				
2				
3				
कुल				

अनुसूची-17				
राज्य /जिला / स्थानीय इकाईयों द्वारा अधिकृत /उपगत साधारण पार्टी प्रचार के लिए कोई अन्य व्यय				
क्रम सं.	राज्य	प्रयोजन/ मदों के ब्यौरे	व्यय की तारीख	कुल राशि (बकाया राशि सहित)
1				
2				
3				
कुल				

अनुसूची-18						
राज्य /जिला / स्थानीय इकाईयों द्वारा अधिकृत /उपगत पार्टी के अभ्यर्थी(थियों), यदि कोई है, को नकदी या अन्य किसी माध्यम यथा चेक/डी डी/पी ओ/आर टी जी एस/निधि हस्तांतरण इत्यादि में कुल एकमुश्त भुगतान। यदि राज्य/जिला/स्थानीय इकाईयां एक से अधिक अवसर पर अभ्यर्थी (थियों) को भुगतान करती है तो तारीख-वार ब्यौरों का उल्लेख किया जाए।						
क्रम सं.	राज्य का नाम विधान सभा/संसदीय निर्वाचन क्षेत्र की संख्या तथा नाम	अभ्यर्थी (अभ्यर्थियों) का/के नाम तथा अन्य पार्टी होने की दशा में पार्टी के नाम का उल्लेख करें	भुगतान की तारीख (खें)	नकद राशि	चैक/डीडी संख्या इत्यादि तथा तारीख	संदत कुल राशि
1						
2						
3						
कुल						

अनुसूची-19					
अभ्यर्थी (थियों) के फोटो या नाम सहित विशेष अभ्यर्थी (थियों) के लिए राज्य/जिला/स्थानीय इकाईयों द्वारा अधिकृत/उपगत मीडिया विज्ञापन (प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक, बल्क एसएमएस, केबल, वेबसाइट, टीवी चैनल इत्यादि) पर कुल व्यय और ऐसे व्यय जिन्हें अभ्यर्थी (यों) के नामे डाला जा सके					
क्रम सं.	राज्य	अभ्यर्थी (अभ्यर्थियों) का नाम	मीडिया का नाम (प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक/एसएमएस /केबल, टीवी)	प्रिंट/टेलीकास्ट एसएमएस इत्यादि की तारीख (खें)	कुल राशि (बकाया राशि सहित)
1					
2					
3					
कुल					

अनुसूची -20				
अभ्यर्थी (थियों) के फोटो और/पोस्टर नाम सहित प्रचार सामग्री (यथा पोस्ट, बैनर्स, निर्वाचन सामग्री इत्यादि) पर कुल व्यय अथवा राज्य /जिला / स्थानीय इकाईयों द्वारा अधिकृत /उपगत ऐसे व्यय जिसे/जिन्हें अभ्यर्थी (थियों) के नामे डाला जा सके।				
क्रम सं.	राज्य/विधान सभा/ संसदीय निर्वाचन क्षेत्र की संख्या व नाम	अभ्यर्थी (अभ्यर्थियों) का नाम	मदों के ब्यौरे	कुल राशि (बकाया राशि सहित)
1				
2				
कुल				

अनुसूची -21						
राज्य/जिला/स्थानीय इकाईयों (साधारण पार्टी प्रचार के अतिरिक्त) द्वारा अभ्यर्थी (थियों) के लिए आम सभाओं/जुलूसों इत्यादि पर अधिकृत/ उपगत कुल व्यय (स्टार प्रचारकों या अन्य नेताओं की रैली में दर्शकों/समर्थकों के लिए बैरीकेड्स/ऑडियो इत्यादि/भाडे पर वाहन)						
क्रम सं.	राज्य एवं स्थल	स्टार प्रचारक (कों) और अन्य नेता (ओं) का/के नाम	अभ्यर्थी (थियों) का /के नाम	दिनांक	मदों के ब्यौरे	कुल राशि (बकाया राशि सहित)
1						
2						
कुल						

अनुसूची -22

राज्य/जिला/स्थानीय इकाईयों द्वारा अभ्यर्थियों के लिए अधिकृत/ उपगत अन्य कोई व्यय					
क्रम सं.	राज्य	विधान सभा/ संसदीय निर्वाचन क्षेत्र की संख्या व नाम	अभ्यर्थी (र्थियों) का/के नाम	मदों के ब्यौरे	कुल राशि (बकाया राशि सहित)
1					
2					
3					
कुल					

अनुसूची -23क								
केन्द्रीय मुख्यालय में स्थित राजनैतिक दल द्वारा प्रायोजित अभ्यर्थियों की आपराधिक पृष्ठभूमि, यदि कोई हो, को प्रकाशित करने पर उपगत/प्राधिकृत कुल व्यय								
क्रम सं.	वेबसाइट	समाचार-पत्र			टेलीविजन			भुगतान का तरीका (इलेक्ट्रॉनिक/चैक/डीडी/नकद) (कृपया विवरण दें)
		समाचार पत्र का (के) नाम	प्रकाशन की तारीख (तारीख में)	उपगत किया गया व्यय (रु. में)	चैनल (चैनलों) का (के) नाम	अंतर्वेशन/ दूरदर्शन प्रसारण की तारीख एवं समय	उपगत किया गया व्यय (रु. में)	
1	2	3	4	5	6	7	8	9
	वह अवधि जब प्रदर्शित किया गया							

अनुसूची -23ख								
राज्य/जिला/स्थानीय इकाईयों में स्थित राजनैतिक दल द्वारा प्रायोजित अभ्यर्थियों की आपराधिक पृष्ठभूमि, यदि कोई हो, को प्रकाशित करने पर उपगत/प्राधिकृत कुल व्यय								
क्रम सं.	वेबसाइट	समाचारपत्र			टेलीविजन			भुगतान का तरीका (इलेक्ट्रॉनिक/चैक/डीडी/नकद) (कृपया विवरण दें)
		समाचार पत्र का (के) नाम	प्रकाशन की तारीख (तारीखें)	उपगत किया गया व्यय (रु. में)	चैनल (चैनलों) का (के) नाम	अंतर्वेशन/ दूरदर्शन प्रसारण की तारीख एवं समय	उपगत किया गया व्यय (रु. में)	
1	2	3	4	5	6	7	8	9
	वह अवधि जब प्रदर्शित किया गया							

अनुसूची 24क						
सोशल मीडिया प्लेटफार्मों/ऐप/अन्य साधनों के माध्यम से वर्चुअल प्रचार पर पार्टी के केंद्रीय मुख्यालय द्वारा सामान्य पार्टी प्रचार के लिए प्राधिकृत/उपगत कुल व्यय						
क्र.सं.	राज्य	वर्चुअल प्रचार का स्वरूप (सोशल मीडिया प्लेटफार्मों/ऐप/अन्य साधनों का उल्लेख करें)		विषय-वस्तु बनाने वाले का नाम	संदेश प्रसारित करने वाली मीडिया का नाम	कुल धनराशि (बकाया राशि सहित)
1	2	3		4	5	6

अनुसूची 24ख					
सोशल मीडिया प्लेटफार्मों/ऐप/अन्य साधनों के माध्यम से वर्चुअल प्रचार पर राज्य/जिला/स्थानीय इकाई द्वारा सामान्य पार्टी प्रचार के लिए प्राधिकृत/उपगत कुल व्यय					
क्र.सं.	राज्य	वर्चुअल प्रचार का स्वरूप (सोशल मीडिया प्लेटफार्मों/ऐप/अन्य साधनों का उल्लेख करें)	विषय-वस्तु तैयार करने वाले का नाम	संदेश प्रसारित करने वाले मीडिया का नाम	कुल धनराशि (बकाया राशि सहित)
1	2	3	4	5	6

(आयोग द्वारा अपने पत्र सं. 76/वर्चुअल कैम्पेन/ईईपीएस/2022, दिनांक 15 जनवरी, 2022 के जरिए संशोधित, अनुबंध-च9 पर रखा हुआ है)

भारत निर्वाचन आयोग

निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली-110001

पत्र सं. 76/अनुदेश/2015/ईईपीएस/खण्ड-II

दिनांक: 08 सितम्बर, 2015

सेवा में

अध्यक्ष/महासचिव

1. सभी राष्ट्रीय दल
2. सभी राज्यीय दल
3. सभी गैर मान्यता प्राप्त दल

विषय:- राजनीतिक दलों के अभ्यर्थियों द्वारा निर्वाचनों के परिणामों की घोषणा के 30 दिन के भीतर आंशिक निर्वाचन व्यय विवरण प्रस्तुत करना -तत्संबंधी।

महोदय/महोदया,

मुझे आयोग के दिनांक 21 जनवरी, 2013 के पत्र सं. 76/ईई/2012-पीपीईएमएस और दिनांक 29 अगस्त, 2014 के पत्र सं. 76/पीपीईएमएस/पारदर्शिता/2013(प्रतिलिपियां संलग्न) को संदर्भित करने और यह कहने का निदेश हुआ है कि राजनैतिक दलों को विधान सभा/लोक सभा के साधारण निर्वाचन के समाप्त होने के 75 दिनों/90दिनों के भीतर अपना " निर्वाचन व्यय विवरण " भारत निर्वाचन आयोग को (राष्ट्रीय और राज्यीय दलों के मामले में) या राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (गैर मान्यताप्राप्त दलों के मामले में जहाँ दल का मुख्यालय स्थित है) के समक्ष दाखिल करना होगा।

2. लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951, की धारा 77 के अंतर्गत जिस लेखा का कुल व्यय विवरण रखा जाएगा और जो किसी राज्य या संघ शासित क्षेत्र के निर्वाचन के संबंध में उपगत या अधिकृत किया जाएगा वह निर्वाचन संचालन नियम, 1961 के नियम 90 के अंतर्गत निर्धारित किया गया है। सामान्यतः राजनैतिक दल निर्वाचनों के दौरान खड़े किए गए अपने अभ्यर्थियों को उनके निर्वाचन व्यय हेतु नकदी या वस्तु रूप में सहयोग/अंशदान देते हैं और अभ्यर्थियों को अपने विवरणों में ऐसा व्यय प्रदर्शित करना होगा। राजनीतिक दलों और अभ्यर्थियों के लिए पारदर्शिता और लेखों के समाशोधन हेतु और संविधान के अनुच्छेद-324 में निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयोग द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि राजनैतिक दलों को

(i) आंशिक विवरण जो भारत निर्वाचन आयोग के समक्ष (राष्ट्रीय और राज्यीय दलों के मामले में) या राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (गैर मान्यताप्राप्त दलों के मामले में, जहाँ दल का मुख्यालय स्थित है) के समक्ष, अनुलग्नक-क में नियत प्रारूप में विधान सभा/लोकसभा के निर्वाचनों के परिणामों की घोषणा होने के बाद 30 दिन के भीतर दल द्वारा अभ्यर्थियों को किए गए एकमुश्त भुगतान के संबंध में और (ii) निर्वाचन व्यय संबंधी अंतिम विवरण विधानसभा/लोकसभा के लिए साधारण निर्वाचन के समाप्त होने के 75 दिनों/90 दिनों के भीतर उपरोक्तानुसार, दलों द्वारा दाखिल किया जाना अपेक्षित है।

3. इस बात को दोहराया जाता है कि राजनीतिक दलों द्वारा खड़े किए गए अभ्यर्थियों के निर्वाचन व्यय आयोग के दिनांक 29 अगस्त, 2014 के आयोग के पत्र सं. 76/पीपीईएमएस/पारदर्शिता/2013 उपर्युक्त एवं संलग्न के पैरा 3(i) में यथासंदर्भित चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा प्रमाणीकृत होना चाहिए।
4. कृपया इस पत्र की पावती दें।

भवदीय,

ह./-

(एस. के. रूडोला)

सचिव

राजनीतिक दल निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण अनुभाग और एसडीआर अनुभाग को प्रतिलिपि प्रेषित।

अनुलग्नक-क

दल का नाम:

क्या मान्यताप्राप्त है:.....(हाँ या नहीं)

निर्वाचन का नाम:

निर्वाचन की घोषणा की तिथि:

निर्वाचन समाप्त होने की तिथि:

दल के अभ्यर्थियों या अन्य अभ्यर्थियों, यदि कोई प्राधिकृत किए गए हों पर दल द्वारा नकद रूप में या लिखत जैसे चेक/डी डी/पीओ/आर टी जी एस/ निधि अंतरण इत्यादि द्वारा कुल एकमुश्त उपगत भुगतान। यदि राजनैतिक दल अभ्यर्थियों को एक से अधिक अवसरों पर भुगतान करता है तो तिथिवार उल्लेख किया जाना चाहिए।						
क्रम सं.	राज्य का नाम/संसदीय निर्वाचन क्षेत्र की सं. एवं नाम	अभ्यर्थी का नाम	भुगतान की तारीख	नकद राशि	चेक/डी डी/पीओ/आर टी जी एस/ निधि अंतरण इत्यादि	कुल (5+6)
1	2	3	4	5	6	7
1.						
2.						
3.						
कुल योग						

दिनांक:

हस्ताक्षर (राजनैतिक दल का कोषाध्यक्ष)

नोट: दल के केन्द्रीय मुख्यालयों या राज्यीय इकाइयों द्वारा किए गए अधिकृत भुगतान के लिए अलग अनुलग्नकों में प्रस्तुत किया जाए।